RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 क्या गदर-3 में नहीं दिखेंगी...

वर्ष : 26 अंक : 175 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 16 जून, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद : सीएम योगी

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 350 लोगों की समस्याएं

गोरखनाथ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व 9 मार्च को हुआ था। आज सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोगों को थी जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के मेडिकल इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी।

जनता दर्शन में पहुंची एक महिला ने मुख्यमंत्री से इलाज में मदद की गुहार लगाई। इस पर सीएम योगी ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में जो भी खर्च आना है, अस्पताल से इस्टीमेट बनाकर शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उक्त महिला का आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं।

जनता दर्शन में पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

गौशाला में सीएम योगी ने की गौसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने आज सुबह मंदिर की गौशाला में गौसेवा की। उन्होंने गौवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया। गौशाला का भ्रमण कर सीएम योगी ने गौवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा। सीएम योगी की आवाज सुनते ही गौवंश उनके पास आ गए। सीएम योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गौशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गौवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक-कैंटर की जोरदार टक्कर

हादसे में 3 महिलाओं समेत 4 लोगों की मौत, 24 घायल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। मुरादनगर क्षेत्र स्थित ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर शनिवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने कैंटर में मारी टक्कर मार दी। घटना में टैंकर पलट गया। उसमें सवार करीब 28 लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद वहां चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां 3 महिलाओं समेत 4 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि 24 घायलों का उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से कैंटर को सीधा किया और 19 घायलों को निकाल कर एंबुलेंस से गाजियाबाद के संयुक्त जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इनमें से 9 लोगों को दिल्ली के लिए रेफर किया गया है। अन्य लोग संयुक्त अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

जानकारी के मुताबिक, ईसर कैंटर गन्नौर हरियाणा भट्टा से हरदोई (यूपी) जा रहा था, इस वाहन में महिलाओं और बच्चों समेत कुल 37 लोग सवार थे। चालक ने वाहन को गांव रेवाड़ी रेवड़ा के पास पेरिफेरल हाईवे के किनारे बाईं तरफ खड़ा किया और पेशाब कर रहा था। बागपत की तरफ से आ रहे ट्रक ने सामने खड़े आयशर कैंटर को टक्कर मार दी, ईसर कैंटर में सवार चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान इरसाद उम्र 20 वर्ष पुत्र ईश्वर, नजुमन उम्र 60 वर्ष पत्नी ईश्वर, सबीना उम्र 21 वर्ष पत्नी नौशाद, माया देवी उम्र 40 वर्ष पत्नी महेंद्र सिंह के रूप में हुई है, सभी मृतक गांव मझला कुमरुआ थाना मझला जिला हरदोई के रहने वाले हैं, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों का संजय नगर और जीटीबी दिल्ली में इलाज चल रहा है, घायल खतरे से बाहर हैं। ये सभी भट्ठे पर काम करने वाले लोग हैं।

गाजियाबाद में ट्रेन से कटकर 3 युवकों की दर्दनाक मौत

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के लोनी इलाके में आज सुबह दर्दनाक ट्रेन हादसा हो गया है। जहां ट्रेन की चपेट में आने से 3 युवकों की कटकर मौत हो गई। तीनों मृतकों की उम्र 20 से 25 साल के आसपास है। हादसा लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के नहर रेलवे अंडरपास के पास हुआ। सुबह 6 बजे सहारनपुर से दिल्ली जा रही ट्रेन की चपेट में तीनों आए। आरपीएफ मृतकों की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। अभी उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

जानकारी के अनुसार, आज तड़के करीब 4.30 बजे थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में शामली से दिल्ली जा रही ट्रेन की चपेट में आने से 25 से 30 वर्ष की आयु के तीन युवकों की मौत हो गई। राज इंटर कॉलेज के सामने हुए इस हादसे के बाद सुबह 5.10 बजे ट्रेन के ड्राइवर ने लोनी रेलवे स्टेशन पर घटना की सूचना दी। इसके बाद स्थानीय पुलिस और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंचीं। हजारों लोगों ने उन तीनों मृतकों के शव देखे, लेकिन कोई भी उनकी शिनाख्त नहीं कर पाया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

आरपीएफ लोनी के प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि ये ट्रेन सहारनपुर से दिल्ली जा रही थी। हादसे की वजह से ट्रेन को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही लोको पायलट से भी पूछा जा रहा है कि हादसे की वजह क्या रही।

जिले में आज से 19 जून तक धारा-144 लागू

नोएडा (चेतना मंच)। ईद-उल-अजहा और गंगा दशहरा के मद्देनजर रविवार यानी आज 16 से 19 जून तक गौतमबुद्धनगर में धारा 144 लागू कर रहेगी। इस दौरान आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई होगी। गंगा दशहरा रविवार को मनाया जा रहा है जबकि बकरीद सोमवार को है। इस दौरान बिना अनुमति कोई भी कार्यक्रम नहीं होगा। अगर कोई ऐसा करता पाया जाता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा पुलिस के मुताबिक असामाजिक तत्वों से सार्वजनिक व्यवस्था को संभावित खतरे के मद्देनजर, इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है कि ऐसे व्यक्ति शांति भंग कर सकते हैं। धारा 144 के तहत कई चीजों पर रोक है। जैसे कि अवैध रूप से एकत्रित होने पर रोक, सरकारी दफ्तरों के पास अनाधिकृत ड्रोन का इस्तेमाल, समय सीमा के बाहर लाउडस्पीकर का इस्तेमाल आदि विवादित स्थलों पर परंपरागत रूप से न की जाने वाली गतिविधियां और खुले क्षेत्रों या छतों पर कुछ सामग्री एकत्र करना भी प्रतिबंधित है।

पुलिस के आदेश के अनुसार, विशेष अनुमति के बिना सार्वजनिक स्थानों पर सार्वजनिक प्रार्थना, पूजा, जुलूस और अन्य धार्मिक आयोजन पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं।

छबील

गंगा दशहरा के पावन पर्व के अवसर पर गाजियाबाद के (संदीप एंक्लेव) बहरामपुर में मीठे जल का वितरण किया। मीठे जल के वितरण में आर्यन गुप्ता, सुमित कुमार माथुर, अमित कुमार माथुर, रजत माथुर, रवि माथुर, विवेक माथुर, सचिन एवं राजू कुमार ने विशेष सहयोग किया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 135वीं बोर्ड बैठक में बड़ा फैसला

25 एकड़ में बनेगा एग्जीविशन-कनवेंशन सेंटर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में एक और एग्जीविशन-कनवेंशन सेंटर बनाने का रास्ता साफ हो गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने सेक्टर चाई में 25 एकड़ एरिया पर एग्जीविशन-कनवेंशन सेंटर बनाने पर मुहर लगा दी है। अब इस प्रस्ताव को शासन के पास भेजा जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 135वीं बोर्ड बैठक हुई। जिसमें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ.लोकश एम, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ मेधा रूपम, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, यीडा के एसीईओ कपिल सिंह, जीएम वित्त विनोद कुमार, जीएम प्लानिंग लीनू सहगल, ओएसडी संतोष कुमार और ओएसडी नवीन कुमार सिंह सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

इस बोर्ड बैठक में कई अहम फैसले हुए, जिनमें एग्जीविशन-कनवेंशन सेंटर बनाने का प्रस्ताव भी शामिल है। दरअसल, वैश्विक पटल पर ग्रेटर नोएडा का नाम तेजी से उभर रहा है। आए दिन नेशनल और इंटरनेशनल इवेंट ग्रेटर नोएडा में होते रहते हैं। इन इंटरनेशनल इवेंट के आयोजनों के लिए फिलहाल एकमात्र जगह नॉलेज पार्क में इंडिया एक्सपो मार्ट ही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी जल्द शुरू होने जा रहा है, जिससे ग्रेटर नोएडा में वीआईपी और देसी-विदेशी मेहमानों की आवाजाही और बढ़ जाएगी। ग्रेटर नोएडा की आबादी भी तेजी से बढ़ रही है।

वर्ष 2050 तक ग्रेटर नोएडा की आबादी भी 40 से 50 लाख की हो जाएगी। इन बातों को ध्यान में रखते हुए एक और एग्जीविशन-कनवेंशन सेंटर बनाना जरूरी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने लोगों की मांग के मद्देनजर सेक्टर चाई में 25 एकड़ एरिया पर एग्जीविशन-कनवेंशन सेंटर बनाने की तैयारी कर रहा है। इसमें होटल और एक बड़े गार्डन की भी सुविधा होगी। इस आशय का प्रस्ताव शनिवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह के समक्ष रखा गया, जिस पर बोर्ड ने मुहर लगा दी है। इससे ग्रेटर नोएडा में एक और एग्जीविशन-कनवेंशन सेंटर जल्द बन सकेगा।

'रजिस्ट्रेशन न होने पर शिकायत मिली तो लगेगी पेनल्टी'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पेट रजिस्ट्रेशन जल्द शुरू करने जा रहा है। संशोधित पेट रजिस्ट्रेशन पॉलिसी को प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूर कर लिया है। पूर्व में अनुमोदित पॉलिसी में नागरिकों, आरडब्ल्यूए/एओए व एनजीओ आदि से प्राप्त सुझावों को सम्मिलित करते हुए बोर्ड के समक्ष प्रस्ताव रखा गया था, जिसे बोर्ड ने स्वीकार कर लिया है। संशोधित पॉलिसी के अनुसार अब पेट रजिस्ट्रेशन के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया तीन माह के बजाय साल भर चलती रहेगी, लेकिन अगर किसी ने पेट रजिस्टर्ड होने की शिकायत की तो उसकी जांच कर 2000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। पेट को सर्विस लिफ्ट से ही ले जाया जाएगा। अगर लिफ्ट में कोई व्यक्ति पहले से है तो पेट के साथ दूसरा व्यक्ति नहीं जाएगा और लिफ्ट में अगर कोई व्यक्ति पहले से अपने पेट के साथ है तो दूसरा व्यक्ति नहीं जाएगा। इसके अलावा एओए/आरडब्ल्यूए और वहां के निवासी मिलकर पेट फीडिंग प्वाइंट चिंहित करेंगे। एनजीओ की मदद से पीपीपी के आधार पर एक शेल्टर होम बनाया जाएगा। इसके लिए जमीन प्राधिकरण देगा और इसका संचालन संबंधित एनजीओ के जिम्मे होगा।

इस साल के अंत तक सभी 58 सेक्टरों में गंगाजल की आपूर्ति

" जल विभाग की तरफ से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड को गंगाजल की ताजा स्थिति से भी अवगत कराया गया, जिसके अनुसार 85 क्यूसेक गंगाजल परियोजना के अंतर्गत 58 आवासीय सेक्टरों में से अब तक 44 सेक्टरों में गंगाजल की आपूर्ति की जा रही है। इस साल के अंत तक सभी 58 सेक्टरों में गंगाजल की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। वहीं, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भी गंगाजल पहुंचाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में तीन रिजर्वायर और ग्रेटर नोएडा ईस्ट में एक रिजर्वायर बनाने के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। टेंडर स्वीकृत होने के बाद रिजर्वायर बनाने में छह माह लगेंगे।

ग्रेनो वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर के पास अतिरिक्त एफएआर

नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के नॉलेज पार्क-5 तक प्रस्तावित मेट्रो रूट के पैरलल 500 मीटर की दूरी में सभी श्रेणी के भूखंडों के लिए अतिरिक्त एफएआर पर भी प्राधिकरण बोर्ड ने मुहर लगा दी है। इसके अंतर्गत आवासीय ग्रुप के लिए 0.5, वाणिज्यिक के लिए 0.2, संस्थागत के लिए 0.2 से 0.5 तक, मनोरंजन/ग्रीनरी के लिए 0.2, आईटी/आईटीईएस के लिए 0.5 अतिरिक्त एफएआर की अनुमति दे दी है।

मोबाइल टॉवर पॉलिसी को ग्रेनो प्राधिकरण बोर्ड की मंजूरी

ग्रेनो प्राधिकरण बोर्ड ने मोबाइल टॉवर लगाने की पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। अब मनमानी ढंग से मोबाइल कंपनियां टॉवर नहीं लगा सकेंगी। अब किसी पार्क या ग्रीन बेल्ट में मोबाइल टॉवर लगवाने के लिए मोबाइल सेवा ऑपरेटर कंपनी को तय प्रारूप पर सीईओ के समक्ष आवेदन करना होगा। अगर व्यावसायिक, संस्थागत, औद्योगिक सेक्टरों में निर्मित भवन पर मोबाइल टावर लगाने के लिए पट्टाधारक की ओर से संयुक्त आवेदन किया जाएगा। पट्टाधारक को शपथपत्र भी देना होगा। आवेदक को तीन लाख की बैंक गारंटी क्षतिपूर्ति के रूप में प्राधिकरण के खाते में जमा करनी होगी। व्यावसायिक, संस्थागत, औद्योगिक सेक्टरों में निर्मित भवन पर मोबाइल टावर लगाने के लिए स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट भी प्रस्तुत करना होगा। प्राधिकरण बोर्ड ने इससे संबंधित प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है।

अकड़ौली में रिजर्व पुलिस लाइन व जिला कारागार के लिए ग्रेनो से एनओसी

हापुड़ के अकड़ौली में रिजर्व पुलिस लाइन और जिला कारागार प्रस्तावित किया गया है। यह गांव ग्रेटर नोएडा फेज दो का हिस्सा है। हापुड़ प्रशासन की तरफ से एनओसी के लिए आवेदन किया गया है। प्राधिकरण बोर्ड ने एनओसी देने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है।

बेकाबू महंगाई

महंगाई पर काबू पाना सरकार के लिए टेढ़ी खीर बना हुआ है। मई में थोक महंगाई पिछले पंद्रह महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई। अब यह 2.61 फीसद पर है, जबकि अप्रैल में यह 1.26 फीसद थी। इसी अवधि में पिछले वर्ष यह नकारात्मक 3.61 फीसद पर थी। जबकि इसके उलट खुदरा महंगाई मई में घट कर 4.75 फीसद पर पहुंच गई, जो इस वर्ष का सबसे निचला स्तर है। थोक महंगाई पिछले तीन महीने से लगातार बढ़ रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का कहना है कि खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे तेल और गैस तथा अन्य विनिर्माण उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से इस वर्ष मई में थोक महंगाई बढ़ी। खासकर सब्जियों की थोक कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखी गई। सब्जियों की थोक महंगाई दर 32.42 फीसद रही। प्याज की थोक महंगाई दर 58.05 फीसद और आलू की 64.05 फीसद दर्ज की गई। भारतीय रिजर्व बैंक आमतौर पर खुदरा महंगाई दर के आधार पर अपनी मौद्रिक नीतियों में बदलाव करता है। मगर मई में खुदरा महंगाई पांच फीसद से कम होने के बावजूद उसने रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का फैसला किया। इसलिए कि उसका अनुमान है कि अभी महंगाई का रुख अनिश्चित बना रहेगा और उसमें उतार-चढ़ाव आ सकता है। आमतौर पर थोक महंगाई का असर खुदरा महंगाई पर पड़ता है। जो चीजें थोक में महंगी होती हैं, उनकी खुदरा कीमतें भी बढ़ती हैं। मगर बीते मई महीने में यह क्रम उलटा देखा गया। थोक महंगाई बढ़ी, पर खुदरा महंगाई कम हुई। महंगाई बढ़ने के पीछे आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का तर्क दिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध और फिर इजराइल-हमास संघर्ष के चलते दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही है। जाहिर है, इसका असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ा है। मगर यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। भारत में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी कई वर्ष से हो रही है, जिसका प्रभाव माल ढुलाई पर देखा गया है। मई महीने में तेल की कीमतें इतनी बढ़ी भी नहीं कि उसका सीधा प्रभाव थोक महंगाई पर पड़े। फिर, खुदरा महंगाई घटी हुई कैसे दर्ज हुई, जबकि इसका असर उस पर भी पड़ना चाहिए था। दरअसल, खाने-पीने की चीजों की कीमतों में असंतुलन की बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय व्यापार है। महाराष्ट्र के किसान लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं कि प्याज को निर्यात के लिए खोल दिया जाए, मगर सरकार ने उस पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसकी वजह से उन्हें अपनी लागत भी नहीं मिल पा रही और खुदरा बाजार में औने-पौने दाम पर बेचना पड़ रहा है। इसके उलट, बाहर से दालों, फलों, खाद्य तेल आदि पर आयात शुल्क घटा या हटा देने की वजह से घरेलू जिंस की जगह विदेशी चीजें थोक बाजार में अधिक पहुंचने लगी हैं। यह समझना मुश्किल है कि जो खाद्य वस्तुएं अपने यहां जरूरत से अधिक पैदा हो रही हैं, उनकी घरेलू बाजार में खपत बढ़ाने पर जोर देने के बजाय विदेशी वस्तुओं की आवक क्यों बढ़ाई जाती है। खानेपीने की चीजों की कीमतें बढ़ने से आम लोगों के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उनकी क्रयशक्ति बढ़ाना पहले ही बड़ी चुनौती है, तिस पर महंगाई की मार उनका जीवन दूभर बना देती है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रामजी के यश के संग से मेरी कविता सभी को अत्यन्त प्रिय लगेगी। जैसे मलय पर्वत के संग से काष्ठमात्र (चंदन बनकर) वंदनीय हो जाता है, फिर क्या कोई काठ (की तुच्छता) का विचार करता है?॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

स्याम सुरभि पय बिसद अति गुनद करहिं सब पान।
गिरा ग्राम्य सिय राम जस गावहिं सुनहिं सुजान॥

श्यामा गो काली होने पर भी उसका दूध उज्ज्वल और बहुत गुणकारी होता है। यही समझकर सब लोग उसे पीते हैं। इसी तरह गँवारू भाषा में होने पर भी श्री सीतारामजी के यश को बुद्धिमान लोग बड़े चाव से गाते और सुनते हैं॥

मनि मानिक मुकुता छबि जैसी। अहि गिरि गज सिर सोह न तैसी॥
नृप किरीट तरुनी तनु पाई। लहहिं सकल सोभा अधिकाई॥

मणि, माणिक और मोती की जैसी सुंदर छबि है, वह साँप, पर्वत और हाथी के मस्तक पर वैसी शोभा नहीं पाती। राजा के मुकुट और नवयुवती स्त्री के शरीर को पाकर ही ये सब अधिक शोभा को प्राप्त होते हैं॥

तैसेहिं सुकबि कबित बुध कहहीं। उपजहिं अनत अनत छबि लहहीं॥
भगति हेतु बिधि भवन बिहाई। सुमिरत सारद आवति धाई॥

इसी तरह, बुद्धिमान लोग कहते हैं कि सुकवि की कविता भी उत्पन्न और कहीं होती है और शोभा अन्यत्र कहीं पाती है (अर्थात कवि की वाणी से उत्पन्न हुई कविता वहाँ शोभा पाती है, जहाँ उसका विचार, प्रचार तथा उसमें कथित आदर्श का ग्रहण और अनुसरण होता है)। कवि के स्मरण करते ही उसकी भक्ति के कारण सरस्वतीजी ब्रह्मलोक को छोड़कर दौड़ी आती हैं॥

(क्रमशः..)

क्या आरएसएस और भाजपा के बीच व्याप्त मतभेदों का सिलसिला कभी थमेगा?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मतभेद अब खुलकर सामने आ चुके हैं। यह स्थिति दोनों के लिए सामाजिक और राजनीतिक रूप से हानिकारक साबित होगी, जिसकी शुरुआत लोकसभा चुनाव 2024 से हो चुकी है। इस बदलती परिस्थिति के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है और कितना जिम्मेदार है, यह पड़ताल करने का काम दोनों संगठनों के प्रमुखों का है, लेकिन अब तो इन दोनों के बीच ही तलवारें खींच चुकी हैं।

मसलन, पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चुनावी भूमिका को लेकर जो कुछ टिप्पणी की, और अब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में भाजपा की अदूरदर्शी भूमिका को लेकर जो कुछ इशारे किये हैं, उससे जाहिर होता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसका राजनीतिक मुखौटा समझी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। यह हिंदुत्व और राष्ट्रवाद जैसी विचारधारा के लिए संकटापन्न स्थिति है, जिसका सम्यक हल निकट भविष्य में निकलेगा, ऐसा मुझे नहीं लगता। क्योंकि देश के दोनों प्रमुख संगठन सत्ता सुख की मृगमरीचिका में भटकते हुए इतना आगे निकल चुके हैं कि वापस लौटना अब उनके बस की बात नहीं!

यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है। पुरानी बातें यदि भुला भी दी जाए तो संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों से दोनों के बीच बढ़ती दूरी भी साफ दिखी है। क्योंकि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संकेत में ही भाजपा को नसीहत भी दी है और सरकार के कामकाज के तरीकों से लेकर और संगठन में मची आपाधापी तक पर परोक्ष रूप से नाराजगी भी दिखाई है। हालांकि समझदार व्यक्ति होने के चलते उन्होंने खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, इसलिए दोनों ही पक्ष इस मुद्दे पर ज्यादा नहीं बोल रहे हैं। लेकिन जिन्हें इनका तल्ख अतीत और स्वार्थी रवैया मालूम है, वो ह से हलन्त तक समझ जाते हैं।

यह कौन नहीं जानता कि लोकसभा चुनाव 2024 में नतीजे यदि भाजपा की उम्मीद के विपरीत आए हैं, तो इसके पीछे कहीं न कहीं संघ के स्वयंसेवकों का उदासीन रवैया भी जिम्मेदार है। यही वजह है कि अब भाजपा और संघ के बीच स्पष्ट रूप से मतभेद उभरते दिखाई दे रहे हैं। जानकारों की मानें तो आमतौर पर चुनावी प्रक्रिया के दौरान भाजपा और संघ के बीच जिस तरह का समन्वय और सामंजस्य होता था, वह इस बार दिखाई नहीं दिया। आखिर ऐसा क्यों?

वहीं, भाजपा और संघ के बीच अक्सर होने वाली उच्च स्तरीय समन्वय बैठकें भी काफी समय से नहीं हुई हैं। स्वाभाविक सवाल है कि आखिर ये बैठकें तय वक्त पर क्यों नहीं हुईं। क्या इसके पीछे एक दूसरे को सबक सिखाने की मंशा रही है, जो 2004 के बाद 2024 में भी साफ दिखी। अंतर सिर्फ इतना कि तब 'कुलीन' मिजाज वाले प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी एक ही झटके में धराशायी हो गए। जबकि आज 'कुटिल' मिजाज वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धराशायी होते-होते बच गए। स्वाभाविक है कि इसकी अनुगूंज अगले 5 सालों तक सुनाई पड़ती रहेगी।

कहना न होगा कि इन सब बातों के बीच संघ को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का बयान भी काफी चर्चित रहा है, जिससे भी संघ के भीतर नाराजगी साफ दिखाई दी है। यही वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत के हाल में एक बयान को लेकर दोनों के बीच के रिश्तों को लेकर कई तरह के अर्थ लगाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुनाव के दौरान संघ को लेकर की गई टिप्पणी से भी दोनों पक्षों के रिश्तों में कड़वाहट आई है, जिसका असर मतदान के आखिरी तीन चरणों में दिखाई दिया।

वहीं, अंदरूनी स्तर पर इस बात की काफी चर्चा है कि आखिर के तीन चरणों में संघ ने उतना मन लगाकर काम नहीं किया, जितना कि वह पहले कर रहा था। स्वाभाविक है कि इसका असर मतदान पर भी पड़ा है। हालांकि संघ ने इस तरह की अटकलों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, और भाजपा भी इससे पूरी तरह से सहमत नहीं है। फिर भी आलम यह है कि मोहन भागवत के बयान के बाद भले ही दोनों पक्ष ज्यादा कुछ नहीं बोल रहे हैं, लेकिन अंदरूनी तौर पर चर्चा में यह दिखता है कि दोनों के बीच अब सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। खास बात यह कि इस बारे में संघ के भीतर भी अलग-अलग राय दिखती है। सीधा सवाल है कि क्या यह स्थिति खुद संघ के लिए सही है। जवाब होगा, कतई नहीं!

जानकारों के मुताबिक, संघ ने जिन मुद्दों पर नाराजगी जताई है, उनमें भाजपा व संघ के बीच समन्वय की कमी है। सवाल है कि दोनों के बीच समन्वय बैठकें बेहद कम होने के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका निर्धारण कौन करेगा। वहीं, विभिन्न उम्मीदवारों को लेकर संघ की सलाह को नजरअंदाज करने के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या उसे यह स्पष्ट नहीं करना चाहिए कि अपने मातृ संगठन के सलाह व सूझाव को विनम्रता पूर्वक टालने का भी एक अपना तरीका होता है, ताकि वह किसी को नागवार नहीं गुजरे। लेकिन यहां तो प्रथमदृष्टया यही प्रतीत हो रहा है कि

यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है।

भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा ने न केवल संघ की भावनाओं की अनदेखी की, बल्कि अपने तल्ख बयानों से उल्टे संघ को ही आईना दिखाने की कोशिश की, जो संघ प्रमुख मोहन भागवत को नागवार गुजरी। इसलिए उन्होंने भी नहले पर दहला की तर्ज पर सरकार बनते ही उसे आईना दिखा दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, संघ ने कृपा शंकर सिंह समेत लगभग दो दर्जन नामों पर आपत्ति जताई थी। इसके पहले वह आर के सिंह पर आपत्ति जता चुका था, हालांकि वह तब चुनाव जीत गए थे। इसके अलावा, दूसरे दलों से और इधर-उधर से बेलगाम तरीके से लोगों को भाजपा में शामिल करना, जिससे भाजपा कॉडर और पुराने कार्यकर्ताओं में उपेक्षा का भाव पैदा हुआ, क्योंकि उनको तरजीह न मिली। इसके अलावा, चुनाव अभियान में कमी के भी कई मुद्दे शामिल रहे। समझा जाता है कि इन्हीं वजहों से 2014 और 2019 के उलट 2024 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें कम मिलीं, जिससे वह एनडीए के सहयोगी दलों की बैशाखी पर टिकने को अभिशप्त हो गई।

बता दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 10 जून 2024 दिन सोमवार को मणिपुर की हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा था कि वहां पर एक साल से अशांति है। राज्य में पिछले 10 साल की शांति भंग हुई है। इसलिए भागवत ने नेताओं को अहंकार न पालने और काम करने की नसीहत भी दी थी। वहीं, उन्होंने परोक्ष रूप से विपक्ष के रवैये पर भी सवाल खड़े किए थे, लेकिन कुछ बयानों को भाजपा से जोड़कर देखा गया। हालांकि, संघ का कहना है कि सामाजिक जीवन में काम कर रहे संघ की यह सामान्य प्रक्रिया है और इसे किसी राजनीतिक दल से जोड़ना उचित नहीं है। इसलिए सवाल तो यह भी पैदा हो रहा है कि भारतीय राजनीति में एक बार फिर से क्षेत्रीय दलों के मजबूत होने से संघ के समीकरण गड़बड़ा चुके हैं, जिसको वह अपनी तल्ख बयानबाजी से दुरुस्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

दिलचस्प बात तो यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस से जुड़ी पत्रिका 'ऑर्गनाइजर' ने दो टूक कहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के अति आत्मविश्वासी कार्यकर्ताओं और कई नेताओं का सच से सामना कराने वाले हैं। वजह यह कि भाजपा नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभामंडल के आनंद में डूबे रह गए और उन्होंने आमजन की आवाज को अनदेखा कर दिया, जिसका परिणाम सामने है।

अब तो संघ यहां तक स्वीकार कर चुका है कि आरएसएस भले ही भाजपा की जमीनी ताकत न हो, लेकिन पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनावी कार्य में सहयोग मांगने के लिए स्वयंसेवकों से संपर्क तक नहीं किया। इतना ही नहीं, चुनाव परिणामों में उन पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं की उपेक्षा भी स्पष्ट है, जिन्होंने बगैर किसी लालसा के काम किया। इनके स्थान पर इंटरनेट मीडिया तथा सेल्फी संस्कृति से सामने आए कार्यकर्ताओं को महत्व दिया गया। जिसका साइड इफेक्ट अब जगजाहिर हो चुका है।

आरएसएस के आजीवन सदस्य रतन शारदा ने तो यहां तक कह दिया है कि 2024 के आम चुनाव के परिणाम अति आत्मविश्वास से भरे भाजपा कार्यकर्ताओं और कई नेताओं के लिए सच्चाई का सामना कराने वाले हैं। क्योंकि उन्हें इस बात का एहसास तक नहीं था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 से अधिक सीटों का आह्वान उनके लिए एक लक्ष्य था और विपक्ष के लिए एक ब ?ी चुनौती थी। यह बात दीगर है कि भाजपा लोकसभा चुनाव में 240 सीटों के साथ बहुमत से दूर रह गई। लेकिन उसके नेतृत्व वाले राजग को 293 सीटें मिली हैं और उसने केंद्र में सरकार बनाई है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी जीत इंटरनेट मीडिया पर पोस्टर और सेल्फी साझा करने से नहीं, बल्कि मैदान पर कड़ी मेहनत से हासिल किए जाते हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के पीछे अनावश्यक राजनीति को भी कई कारणों में से एक बताया और उदाहरण दिया कि, 'महाराष्ट्र अनावश्यक राजनीति और ऐसी जोड़तोड़ का एक प्रमुख उदाहरण है जिससे बचा जा सकता था। यहां अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा गुट भाजपा में शामिल हो गया, जबकि भाजपा और विभाजित शिवसेना (शिंदे गुट) के पास स्पष्ट बहुमत था। शरद पवार दो तीन साल में फीके पड़ जाते, क्योंकि राकांपा अपने भाइयों के बीच अंदरूनी कलह से ही कमजोर हो जाती।'

सीधा सवाल है कि आखिर यह गलत सलाह वाला कदम क्यों उठाया गया? क्योंकि इससे वो भाजपा समर्थक आहत थे, जिन्होंने वर्षों तक कांग्रेस की विचारधारा के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, उन्हें सताया गया था। इस प्रकार एक ही झटके में भाजपा ने अपनी ब्रांड वैल्यू कम कर दी। जिसका दुष्प्रभाव यह हुआ कि भाजपा ने इस चुनाव में महाराष्ट्र में खराब प्रदर्शन किया। क्योंकि वह कुल 48 में से 2019 के 23 निर्वाचन क्षेत्रों के मुकाबले केवल 9 सीटें जीत सकी। शिंदे गुट के नेतृत्व वाली शिवसेना को 7 सीटें और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को सिर्फ एक सीट मिली है।

रतन शारदा के मुताबिक, भगवा आतंकवाद को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने वाले, हिंदुओं पर अत्याचार करने वाले, 26/11 को आरएसएस की साजिश कहने वाले तथा आरएसएस को आतंकवादी संगठन बताने वाले कांग्रेसियों को भाजपा में शामिल करने जैसे फैसलों ने भाजपा की छवि को खराब किया और इससे आरएसएस से सहानुभूति रखने वालों को भी बहुत चोट पहुंची। उन्होंने यहां तक कह दिया कि आरएसएस भाजपा की जमीनी ताकत नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के अपने कार्यकर्ता हैं। मतदाताओं तक पहुंचने, पार्टी का एजेंडा समझाने, साहित्य बांटने और वोटर कार्ड बांटने जैसे नियमित चुनावी कार्य पार्टी की जिम्मेदारी हैं।

उल्लेखनीय है कि अब आरएसएस उन मुद्दों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ा रहा है जो उन्हें और राष्ट्र को प्रभावित करते हैं। यदि उसकी सियासी अभिरुचि की बात की जाए तो 1973-1977 की अवधि को छोड़कर आरएसएस ने कभी भी सीधे राजनीति में भाग नहीं लिया। क्योंकि उसने यह जिम्मेदारी भाजपा पर छोड़ रखी है। इस बार भी आधिकारिक तौर पर तय किया गया था कि आरएसएस कार्यकर्ता 10-15 लोगों की स्थानीय, मोहल्ला, कार्यालय स्तर की छोटी-छोटी बैठकें आयोजित करेंगे और लोगों से कर्तव्य के तौर पर मतदान करने का अनुरोध करेंगे। इसमें राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रवादी ताकतों को समर्थन के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। अकेले दिल्ली में इस तरह की 1.20 लाख सभाएं आयोजित की गईं। जिसका परिणाम यह हुआ कि यहां की सातों सीटें भाजपा की झोली में चली गईं। इसके अलावा, चुनाव कार्य में आरएसएस स्वयंसेवकों का सहयोग लेने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय नेताओं को अपने वैचारिक सहयोगियों तक पहुंचने की आवश्यकता थी, मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। यही वजह है कि भाजपा को चुनावी झटका लगा और यह साबित हो गया कि वह अपराजेय नहीं रही।

लोग-बाग पूछ रहे हैं कि क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के मतभेदों का ये सिलसिला कभी थमेगा, या फिर यूं ही चलता रहेगा! क्या इसके पीछे नौकरशाही की कोई भूमिका है या फिर कोई अंतर्राष्ट्रीय दबाव, जो पद और गोपनीयता की शपथ के चलते आमलोगों के सामने नहीं आ पा रहे हैं। कभी गौ रक्षकों की पीठ पर से हाथ खींचने, कभी 'भेदभावी' आरक्षण के समर्थन में खड़े दिखने, कभी तुष्टिकरण की सियासत को संतुष्टिकरण करार देने के पीछे सत्ता का असली मकसद क्या है, यह तो वही जाने, लेकिन इसका जो साइड इफेक्ट्स होगा, वह संघ के साथ साथ भाजपा को भी प्रभावित करेगा, जिसकी शुरुआत लोकसभा चुनाव परिणाम 2024 से हो चुकी है। यदि दोनों संगठन प्रमुखों ने आ बैल मुझे मार वाली कहावत को चरितार्थ किये तो यह क्रूर इतिहास उन्हें भी नहीं बख्शेगा, इतनी समझ तो उनमें भी होगी, होनी भी चाहिए।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

राशिफल

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष : दशमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान में अपनापन होगा और व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जरुरत के हिसाब से वस्तुएं उपलब्ध होंगी जीवन में। झगड़ा मोल न लें। बाकी स्वास्थ्य अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आमदनी के नए- नए जरिया बनेंगे। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार बहुत अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। सरकारी तंत्र का साथ होगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान, व्यापार सबकुछ बहुत अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
रुका हुआ कार्य चलने लगेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भावुकता में आकर कोई निर्णय मत लीजिएगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा। शिवजी को प्रणाम करते रहें।

तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 160 शिकायतें हुई दर्ज, 10 का निराकरण

नोएडा (चेतना मंच)। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 160 शिकायतें दर्ज हुई, जिसके सापेक्ष 10 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा तहसील दादरी में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई। आयोजित तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिला अधिकारी द्वारा जन सामान्य की शिकायतों का अनुश्रवण किया गया एवं जन सामान्य के द्वारा कुल 95 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 06 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

इस अवसर पर जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जर्नादन सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील शर्मा, उप जिलाधिकारी दादरी विवेकानंद मिश्र, प्रभागीय वन अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, एसीपी ग्रेटर नोएडा अमित एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इसी प्रकार सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जहां पर कुल 12 शिकायतें जनता के द्वारा दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 01 शिकायत का निराकरण मौके पर ही कराया गया।

जेवर तहसील में अपर जिला अधिकारी प्रशासन डॉ नितिन मदान की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ, यहां पर जनता के द्वारा कुल 53 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष 03 शिकायतों का निस्तारण अंधिकारियों के माध्यम से मौके पर सुनिश्चित कराया गया।

एलजी इंडिया में केमिकल डिजास्टर ऑफ साइट इमरजेंसी पर आधारित मॉक ड्रिल संपन्न

नोएडा। जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आज मेसर्स एलजी इंडिया ग्रेटर नोएडा में केमिकल डिजास्टर ऑफ साइट इमरजेंसी पर आधारित मॉक ड्रिल की गई, जिसमे एनडीआरफ, अग्निशमन विभाग, उपनिदेशक कारखाना बी0 के0 सिंह, सहायक निदेशक कारखाना संदीप कुमार व अंशुल तिवारी, जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी, कारखाना हेड गगनजीत सिंह व सहायक प्रबंधक सेफ्टी चंदन सिंह एवं जनपद के सभी अत्यधिक खतरनाक कारखाना के सेफ्टी ऑफिसर्स सहित जिला प्रशासन के सभी स्टेट होल्डर उपस्थित रहे।

अमूल की डिब्बा बंद आइसक्रीम में निकला कनखजूरा

नोएडा। मुंबई में आइसक्रीम कोन में कटी उंगली निकलने के बाद अब नोएडा में आइसक्रीम के डिब्बे में कनखजूरा निकलने का मामला सामने आया है। सेक्टर-12 में रहने वाली दीपा ने शनिवार सबुह आनलाइन डिलिवरी ऐप ब्लिंकिट से अमूल की ऑनलाइन आइसक्रीम ऑर्डर की थी।

महिला का दावा है कि जब उन्होंने डब्बा खोला तो उसमें कनखजूरा था। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया है। इससे बाद वह सक्ते में आ गई। उन्होंने तुरंत ब्लंकिट के ग्राहक सेवा केंद्र पर संपर्क कर मामले की शिकायत की।

ब्लिंकिट की तरफ से माफी मांगते हुए उनके पैसे रिफंड कर दिए गए। साथ ही मामले को लेकर अमूल को शिकायत भेजने की बात कही गई। अमूल की तरफ से उनसे संपर्क करने को कहा गया है। उन्होंने 195 रुपये की वैनिला मैजिक फ्लेवर की आइसक्रीम ऑर्डर की थी।

नियमित तौर पर ऑनलाइन फूड आइटम मंगाने वाली दीपा पूरी तरह हैरान हैं कि अमूल जैसे नामी ब्रांड के उत्पाद में इस तरह की लापरवाही कैसी हो सकती है। शुद्ध शाकाहारी होने के चलते अभी तक वह सामान्य नहीं हो पाई है। साथ ही इससे उनके बच्चों का स्वास्थ्य खराब हो सकता था।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल ने बताया कि मीडिया के माध्यम से मामले की जानकारी मिली है। कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। ऐसे में वह प्रसारित वीडियो के आधार पर छानबीन कर रहे हैं। पीड़ित से बात कर आगे की कार्रवाई करेंगे।

डीसीपी की फटकार के बाद जेवर कोतवाली पुलिस में मचा हड़कंप

जेवर। दिव्यांग युवती के मकान पर हुई फायरिंग के मामले पीड़िता की तहरीर पर छह दिन बाद भी नामजद दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज नही होने पर पीड़िता दिव्यांग ने शुक्रवार को डीसीपी ग्रेटर नोएडा के समक्ष शिक़ायती पत्र देकर नामजद दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

मौहल्ला बुंदेला चौक जेवर निवासी दिव्यांग माधुरी सिंह ने डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान को दिये शिकायती पत्र में आरोप लगाया की शनिवार को मेरी किराना की दुकान के सामने दो समुदाय के लोगों में झगड़ा हो गया था सूचना पर जेवर कोतवाली पुलिस जांच के लिए दिव्यांग माधुरी सिंह की किराना की दुकान पर पहुंची और झगड़ालू लोगों के नाम की जानकारी ली जिससे दोनों पक्ष के लोग दिव्यांग युवती से नाराज हो गये और सबक सिखाने की दिव्यांग को धमकी दी।

देर रात्रि को मौहल्ला सलिलयान जेवर निवासी प्रवीन, नितिन उर्फ दरिया, दीपक उर्फ दीपू, अमित उर्फ भौचू, सुरज, शीलू, आकाश, बबलू, सागर, रूपेश, विष्णु एक राय होकर गाली गलौज करते हुए दिव्यांग माधुरी सिंह के मकान पर पहुंचे और मकान के दरवाजे को तोड़ने का प्रयास किया असफल होने पर आरोपियों ने दिव्यांग के मकान पर कई राउंड फायरिंग कर माहौल का गर्मा दिया और दिव्यांग को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गये।

प्रवीन, नितिन उर्फ दरिया, अमित उर्फ भौचू, दीपक उर्फ दीपू आदि शातिर किस्म के अपराधी है जिनके खिलाफ जेवर कोतवाली में संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज हैं जो अनेकों बार जेल जा चुके हैं जिनका विवादों से पुराना नाता है।

दिव्यांग माधुरी सिंह ने बताया की नामजद आरोपी आपराधिक किस्म के है जिनका कस्बे में माहौल ठीक नहीं है जो बाद विवाद करने में माहिर है पूर्व भी कस्बे में कई बार फायरिंग के आरोप लग चूके हैं दहशत के चलते दिव्यांग ने अपनी किराना की दुकान को बंद कर दिया है।

सूत्रों का कहना है की नामजद आरोपियों से जेवर चौकी पर तैनात एक पुलिस कर्मी की गहरी सांठगांठ है और नामजदों के यहां आना जाना है जो आरोपियों को पकड़ने की बजाये दिव्यांग को धमकी दे रहा है।

माधूरी सिंह ने बताया की डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान ने आश्वासन दिया की वह शनिवार को मेरे घर जेवर आयेंगे उन्होंने नवनियुक्त कोतवाल जेवर संजय सिंह को फोन कर कहा की शनिवार को दिव्यांग पीड़िता की हरसंभव मदद का आदेश दिया। डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान द्वारा दिव्यांग के मामले को गंभीरता लेने और जेवर आने को लेकर पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

गंगा स्नान कर लौट रहे लोगों की कार और ट्रैक्टर में भिड़ंत, तीन की मौत, दो की हालत नाजुक

एटा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एटा में आज भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में सास-बहू की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। भिड़ंत इतनी भयानक थी कि गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। सभी लोग गंगा दशहरा पर गंगा स्नान करके घर लौट रहे थे।

हादसा रिजोर थाना क्षेत्र के ईशन नदी पुल के पास हुआ। बताया गया कि यहां कार बस के पीछे चल रही थी। उसने बस को ओवरटेक किया। इसी समय सामने से ट्रैक्टर आ रहा था। कार और ट्रैक्टर में आमने सामने की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि गाड़ियों को परखच्चे उड़ गए।

मौके पर चीख पुकार मच गई। हादसा देख आसपास के लोग भागकर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला। उन्हें आनन फानन नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। यहां हालत नाजुक देखते हुए उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया।

मेडिकल कॉलेज में जांच के बाद डॉक्टरों ने पिंकी पत्नी गोविंद, सरला पत्नी महाराज सिंह और एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं गोविंद और दया की हालत नाजुक बनी हुई है। घायल गोविंद ने बताया कि हम सभी लोग दशहरा पर सोरों घाट पर गंगा स्नान करके वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में ईशन नदी पुल के पास हादसा हो गया।

बड़ौत में शिवाय ब्लड बैंक सेंटर पर रक्तदान दिवस के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन बागपत सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान ने किया

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चिकालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में 124वें दिन भी जारी रहा।

खास खबर

शरद पवार के सांसद से मिलने पहुंचा गैंगस्टर, बवाल के बाद पार्टी ने मांगी माफी

मुंबई, एजेंसी। अहमदनगर से चुने गए एनसीपी (शरद पवार) के सांसद नीलेश लंके और गैंगस्टर गजानन मार्ने की मुलाकात के बाद बवाल खड़ा हो गया है। इसके बाद शरद पवार की पार्टी को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ गई। एनसीपी विधायक रोहत पवार ने सफाई देते हुए कहा कि लंके और मार्ने के बीच मुलाकात पूर्व नियोजित नहीं थी। संयोगवश पुणे के उनके आवास पर मारने से मुलाकात हो गई। उन्होंने कहा कि लंके का मारने से मिलना उचित नहीं था। इसलिए मैं पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर माफी मांगता हूं। इस मामले में लंके ने खुद भी माफी मांगी है। वहीं रोहित पवार ने कहा कि लंके को इस बात का पता नहीं था कि मार्ने कौन है। आगे से पार्टी इस बात को लेकर सावधान रहेगी कि नेताओं से कौन मुलाकात कर रहा है। बता दें कि शुक्रवार को लंके कई पार्टी नेताओं से मुलाकात करने अपने पुणे आवास पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें मारने के बैकग्राउंड के बारे में पता नहीं था। मारने ने लंके को बधाई भी दी थी। मार्ने और लंके की मुलाकात का वीडियो वायरल होने लगा। अजित पवार की एनसीपी ने भी लंके पर तंज कसा। एनसीपी के प्रवक्ता अमोल मितकारी ने कहा, क्या मारने से मुलाकात करके लंके लोकसभा चुनाव में मदद करने के लिए धन्यवाद दे रहे हैं। क्या मारने ने बारामती सीट और अहमदनगर लोकसभा सीट पर शरद पवार की मदद की थी। जब पार्थ पवार ने मारने से मुलाकात की थी तब शरद पवार ने खिंचाई कर दी थी। अब क्या शरद पवार लंके पर कार्रवाई करेंगे। बता दें कि पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक पुणे के जो कुख्यात आपराधिक गैंग हैं उनमें से एक गजानन मारने का भी है। वह दो हत्याओं के मामले में तीन साल जेल में रहा। हालांकि बाद में उसेबरी कर दिया गया। बरी होने के बाद भी उसके समर्थकों ने सड़क पर बड़ा जुलूस निकाला था। मार्ने के लोगों ने लोगों में दहशत फैलाने की कोशिश की थी।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में अनवर ढेबर को हाईकोर्ट से मिली जमानत

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले मामले से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। शराब घोटाले मामले के आरोपी अनवर ढेबर को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। बतादें की ईडी की जांच के बाद अनवर ढेबर रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद थे। जिसके बाद अब उन्हें हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने मेडिकल ग्राउंड पर बेल दे दी है। छत्तीसगढ़ में ईडी 2000 करोड़ रुपए के शराब घोटाले मामले की जांच कर रही है इस मामले में कई आरोपों को दोषी बनाया गया है। उनमें से एक आरोपी अनवर ढेबर को ईडी ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। ईडी की टीम ने मई महीने में अनवर ढेबर को अरेस्ट किया था। जिन्हें पूछताछ करने के बाद कोर्ट ने ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया था। इसके बाद अनवर ढेबर की जमानत याचिका रायपुर के स्पेशल कोर्ट में लगाई गई थी। जहां कोर्ट ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। वही इस मामले में हाईकोर्ट ने अनवर ढेबर को मेडिकल ग्राउंड पर अब जमानत पर रिहा कर दिया है। बतादें कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी और राज्य की जांच एजेंसी ईओडब्लयू एसीबी कर रही है। इस मामले में कुछ दिनों पहले ही ईडी की पूछताछ हुई है। मामले में अनवर ढेबर, एपी त्रिपाठी, त्रिलोक ढिल्लन समेत कई आरोपी से पूछताछ के बाद कोर्ट ने जेल भेज दिया था। जिसमें से एक अनवर ढेबर को कोर्ट ने जमानत दे दी है।

केसी वेणुगोपाल ने रेस्टोरेंट में पी शराब? आरोप पर भड़की कांग्रेस, एफआईआर दर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। क्या कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रेस्टोरेंट में शराब पी थी? पार्टी की ओर से इस दावे को झूठा बताया गया है और यह कहा कि वह ब्लैक टी पी रहे थे। कांग्रेस ने शुक्रवार को इसे फर्जी दावा बताते हुए हैदराबाद में शिकायत दर्ज कराई। साथ ही, आरोप लगाया गया कि यह जानबूझकर वेणुगोपाल की छवि को खराब करने का प्रयास है। कांग्रेस की ओर से एक्स पर पोस्ट में कहा गया, बेफिटिंग फैक्ट्स नाम के अकाउंट से फर्जी खबर फैलाई जा रही है। यह गलत आरोप लगाया गया कि केसी वेणुगोपाल ने रेस्तरां में शराब पी। सच यह है कि वह ब्लैक टी पी रहे थे। यह जानबूझकर उनकी छवि खराब करने के लिए किया गया है। कांग्रेस एमएलसी डॉ. वेंकट नरसिंग राव बालमूर ने हैदराबाद के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में यह शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कहा गया, हमने एक तरह की शरारत का संज्ञान लिया है। कांग्रेस एमएलसी डॉ. वेंकट नरसिंग राव बालमूर ने हैदराबाद के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि यह फर्जी खबर फैलाने के पीछे शशांक सिंह नाम का शख्स है। पोस्ट में कहा गया, शशांक सिंह ने न केवल तस्वीर के साथ गलत कैप्शन पोस्ट किया, बल्कि उसने केरल पुलिस को भी टैग किया। उनसे लिखा था कि केसी वेणुगोपाल के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में कहा गया, यह गंभीर आरोप है। केसी वेणुगोपाल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक बेहद प्रतिष्ठित नेता हैं।

राज्यसभा सीट से लेकर मंत्री पद तक, महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में खटपट, खुलकर सामने आए मतभेद

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार और राज्यसभा नामांकन जैसे अनसुलझे मुद्दों को लेकर खुली चेतावनियों के बीच सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में तनाव बढ़ रहा है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को रिक्त राज्यसभा सीट के लिए मनोनीत किए जाने पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में असंतोष की खबरें सामने आई हैं। इस कदम से एनसीपी में असंतोष भड़क गया है। विशेष रूप से वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने नाराजगी व्यक्त की है, जो राज्यसभा सदस्य बनना चाहते थे। प्रमुख ओबीसी नेता भुजबल ने पार्टी की निर्णय प्रक्रिया में दरकिनार किए जाने की भावना का संकेत देते हुए लोकसभा और राज्यसभा दोनों चुनावों के लिए टिकट आवंटन की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, (उन्हें टिकट न दिए जाने के) पीछे कारण हो सकते हैं। कभी-कभी यह नियति या किसी प्रकार की मजबूरी होती है। उन्होंने इस सवाल पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया कि क्या वंशवाद की राजनीति के चलते ऐसा हुआ है। यह पूछे जाने पर कि क्या लोकसभा और राज्यसभा टिकट को लेकर उनके साथ अन्याय हुआ है, भुजबल ने स्पष्ट रूप से नाराज होते हुए कहा कि यह सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए। भुजबल ने कहा, यह (सांसद बनने की) मेरी इच्छा है। इसलिए मैं नासिक लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार था। मुझे बताया गया कि दिल्ली में मेरा टिकट तय हो गया है, मैंने काम करना

शुरू कर दिया था, लेकिन जब (नाम की घोषणा का) फैसला एक महीने तक लटका रहा, तो मैंने काम बंद कर दिया क्योंकि काफी अपमान हो चुका था। नासिक से टिकट अंततः शिवसेना के हेमंत गोडसे को मिला, जो चुनाव में प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) के राजाभाऊ वाजे से हार गए। अजित पवार ने शुक्रवार को अपनी पार्टी में स्पष्ट असंतोष को कम करने का प्रयास करते हुए कहा कि राज्यसभा उपचुनाव के लिए उनकी पत्नी को उम्मीदवार बनाने का निर्णय हृष्टक्क की शीर्ष इकाई ने लिया है। उन्होंने इन खबरों का खंडन किया कि भुजबल नाराज हैं। कैबिनेट मंत्री भुजबल सुनेत्रा पवार के नामांकन के बाद नाराज हैं, मीडिया में आई इन खबरों के बारे में पूछे जाने पर हृष्टक्कअध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के सहयोगी ने खुद बताया है वह नाराज नहीं हैं। अजित पवार ने कहा कि विपक्ष समेत कुछ लोग और हमारे करीबी दोस्त ऐसी खबरें फैला रहे हैं, लेकिन इनमें कोई सच्चाई नहीं है। अजित ने बताया कि जब उनकी पत्नी ने नामांकन पत्र दाखिल किया तो प्रफुल्ल पटेल और भुजबल समेत राकांपा के प्रमुख नेता मौजूद थे। इन आंतरिक टकरावों के बीच, सुनेत्रा पवार ने बारामती से लोकसभा चुनावों में अपनी हालिया हार के बाद आगामी राज्यसभा उपचुनाव के लिए राकांपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया है। महाराष्ट्र में एक राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव 25 जून को होना है। फरवरी में राज्यसभा सदस्य चुने गए राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई है। हालांकि, सुनेत्रा पवार का निर्विरोध चुना जाना तय है क्योंकि वह एकमात्र उम्मीदवार हैं। एक अन्य घटनाक्रम में, शिवसेना विधायक संजय शिरसत ने महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार में देरी को लेकर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस मुद्दे को और लंबा खींचा गया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को कैबिनेट विस्तार के प्रति सुस्त रवैये के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जून 2022 में पदभार संभालने के बाद से केवल दो विस्तार हुए हैं। मंत्री पद के संभावित उम्मीदवार शिरसत ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से आगामी मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर स्पष्टता दिखाने और गठबंधन में तनाव बढ़ने से रोकने के लिए निर्णायक घोषणा करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। शिरसत ने कहा, हर कोई मंत्री बनना चाहता है, लेकिन कोई भी ऐसा नहीं कहता। आप इसे लंबे समय तक नहीं खींच सकते। ठोस निर्णय लेने का समय आ गया है। अगर मंत्रिमंडल विस्तार में और देरी हुई तो परिणाम बुरे होंगे। इन राजनीतिक हलचलों के बीच गठबंधन सरकार में अनिश्चितता व असंतोष पनप रहा है, और महाराष्ट्र का राजनीतिक परिदृश्य चुनौतियों व आंतरिक सत्ता संघर्षों से गुजर रहा है। राज्य के मंत्री अब्दुल सत्तार ने जालना लोकसभा सीट से वरिष्ठ नेता रावसाहेब दानवे की हार के लिए एकनाथ शिंदे सरकार से उन्हें निष्कासित करने की मांग करने वाले भाजपा नेताओं पर शुक्रवार को पलटवार किया। सत्तार की विधानसभा सीट सिल्लोड के भाजपा नेताओं ने उनके निष्कासन की मांग करते हुए राज्य नेतृत्व को पत्र लिखा है।

बीजेपी पर हार का ठीकरा फोड़ने वाले बयान पर पलटे ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ, एजेंसी। बीजेपी पर हार का ठीकरा फोड़ने वाले बयान पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, (सुभासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अब यू टर्न लिया है। ओम प्रकाश राजभर अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने अपने बयान पर सफाई दी। वायरल वीडियो को फेक वीडियो करार दिया। उन्होंने कहा कि विरोधी परेशान है। फेक न्यूज को फैलाना विरोधियों की साजिश है। दरअसल, घोसी लोकसभा सीट पर ओम प्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर की हार हुई है। इससे राजभर में नाराजगी है। उन्होंने अपने बेटे की हार का ठीकरा बीजेपी पर फोड़ा है। ओम प्रकाश राजभर का वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में राजभर एक बैठक के दौरान अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे हैं। राजभर ने अपने कार्यकर्ताओं से कहते हुए दिख रहे हैं कि आप लोग भी बोलना सीखिए। हमारी पार्टी ने ईमानदारी से चुनाव लड़ा और हमने गठबंधन धर्म निभाया। लेकिन गठबंधन की तमाम पार्टियों के नेता गठबंधन धर्म निभाना नहीं जानते। यूपी की जनता ने योगी और मोदी को नकार दिया है। इसके बाद वायरल वीडियो पर राजभर की सफाई आई है। उन्होंने इसे साजिश बताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमारे नेता हैं और हम सभी उनके नेतृत्व में प्रदेश के विकास हेतु समर्पित है, उनके दिशा-निर्देश पर कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। राजभर के बेटे अरुण ने भी दी सफाई सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण राजभर ने जारी बयान में कहा है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंत्री ओम प्रकाश राजभर का वायरल वीडियो फर्जी है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के डीप फेक से उनकी आवाज में वीडियो बनाई गई है। जिसमें उनके मुंह से 2024 चुनाव में हार का ठीकरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर फोड़ते हुए दिखाया जा रहा है। अरुण राजभर ने इस वायरल वीडियो के माध्यम से चलाए जा रहे बयान को सिरे से खारिज किया है और कहा है कि ओम प्रकाश राजभर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। यह पुरानी वीडियो है, जिसे एडिट किया गया है। यह विपक्षी दलों की साजिश है।

विदेशी युवक से फेसबुक पर दोस्ती पड़ी महंगी, लग गया 12 लाख का चूना

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला की एक युवती को सोशल मीडिया साइट पर विदेशी युवक से दोस्ती करना मंहगा पड़ गया। विदेशी युवक ने पहले युवती का भरोसा जीता और फिर भारत घूमने आने के दौरान मंहगे उपहार का झांसा देकर कस्टम ड्यूटी चुकाने के नाम पर युवती से 12 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का शिकार होने के बाद युवती ने बालूगंज पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया है। पीड़ित युवती शिमला शहर में प्राइवेट नौकरी करती है। चौंकाने वाली बात यह है कि गिफ्ट पार्सल के लालच में आकर युवती ने अपने परिचितों से करीब छह लाख रुपये उधार लेकर आरोपी फेसबुक फ्रेंड के खाते में भी जमा करवाए। मामले के अनुसार युवती की मारियो सूलीवान नाम के विदेशी युवक से फेसबुक पर दोस्ती हुई। दोनों ने वाट्सऐप नंबर भी एक-दूसरे से शेयर किये थे। युवती से कहा गया कि वह भारत घूमने आ रहा है और उसके लिए कई सारे महंगे उपहार लेकर आएगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि फेसबुक फ्रेंड से उसकी व्हाट्सएप पर लगातार बात हो रही थी। इसी साल 29 अप्रैल को फेसबुक फ्रेंड ने बताया कि वह दिल्ली एयरपोर्ट है पर और मनी एक्सचेंज के लिए कुछ पैसों की जरूरत है।

गुजरात में हर नौकरी के लिए अमेरिकी कंपनी को 3.2 करोड़ की सब्सिडी, कुमारस्वामी ने उठाए सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी (जेडीएस) पद संभालते ही ऐक्शन में दिखने लगे हैं। उन्होंने शुक्रवार को हैरानी जताते हुए पूछा कि क्या भारत को अमेरिका स्थित सेमीकंडक्टर निर्माता माइक्रोन टेक्नोलॉजी जैसे निवेशकों की जरूरत है? आपको बता दें कि यह कंपनी फिलहाल गुजरात में 2.5 अरब डॉलर की यूनिट स्थापित कर रही है। इतना ही नहीं, हर नौकरी के लिए 3.2 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्राप्त कर रही है।

एचडी कुमारस्वामी नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल होने के बाद शुक्रवार को बेंगलुरु लौटे थे। यहां उन्होंने कहा, नई कंपनी लगभग 5,000 नौकरियां पैदा करेगी। इसके लिए हम उन्हें 2 अरब डॉलर की सब्सिडी दे रहे हैं। अगर आप गणना करें तो यह कंपनी के कुल निवेश का 70प्रतिशत है। मैंने अधिकारियों से पूछा कि इतनी बड़ी राशि का आवंटन करना कितना उचित है। मैं राष्ट्र की संपत्ति की सुरक्षा कैसे की जाए, इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रहा हूं।

इस्पात और भारी उद्योग विभाग सौंपने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि वह देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने कहा, मैं राज्य के बाहर भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकता हूं। आपको ट्रांसफर के लिए तैयार रहना चाहिए। कर्नाटक के पूर्व सीएम ने कहा कि उन्हें केंद्र की शासन व्यवस्था को समझने के लिए

लगभग 15 दिनों की आवश्यकता होगी। कुमारस्वामी ने कर्नाटक में कांग्रेस की गारंटी योजनाओं की आलोचना करते हुए कहा कि वह लोगों को मुफ्त में भोजन पर निर्भर बनाने के बजाय रोजगार प्रदान करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में विश्वास करते हैं। कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के बिगड़े हुए रिश्ते और भाजपा के साथ अपने नए गठबंधन की तुलना करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि पीएम मोदी ने उन्हें और जेडी(एस) को सम्मान दिया। देश की सबसे पुरानी पार्टी ने उनके साथ बुरा व्यवहार किया। कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस ने हमें राजनीतिक रूप से खत्म करने का प्रयास किया। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए उन्होंने कर्नाटक के लोगों से जेडी(एस) को स्वतंत्र रूप से शासन करने का अवसर देने पर विचार करने का आग्रह किया। कुमारस्वामी ने राज्य की कांग्रेस सरकार से कर्नाटक के हित में उनके साथ सहयोग करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, हमें राजनीति और अपने मतभेदों को अलग रखना चाहिए। मैं आपके साथ सहयोग करने और राज्य के कल्याण में योगदान देने के लिए तैयार हूं।

अजित पवार का कबूलनामा- हमें प्याज ने हरा दिया, केंद्र सरकार पर भी फोड़ा ठीकरा

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के खराब प्रदर्शन के बाद महायुती की सरकार में खटपट जारी है। इसी बीच अजित पवार ने स्वीकार किया है कि उनकी पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे सबसे बड़ी वजह प्याज है। पत्रकारों से पात करते हुए उपमुख्यमंत्री पवार ने कहा कि महायुती की सरकार किसानों को संतुष्ट करने वाला कोई रास्ता नहीं निकाल पाई। इससे एनडीए गठबंधन को पुणे, नासिक, नगर और सालपुर चारों जिलों में बड़ा नुकसान उठाना पड़ा।

केंद्र ने नहीं सुनी थी बात- अजित पवार उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ही केंद्र सरकार को जानकारी दी गई थी कि प्याज के मुद्दे का समाधान निकालना जरूरी है। अजित पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बीच ही प्याज का मुद्दा जोर पकड़ने लगा। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध की वजह से दाम कम हो गए थे और इससे किसान नाराज थे। उन्होंने कहा, हमने केंद्र सरकार को ऐसे उपाय बताए थे जिससे प्याज

उत्पादक और उपभोग्ता दोनों ही खुश हो सकते थे। हालांकि इसपर ध्यान ना देने की वजह से जलगांव और रावेर को छोड़कर नासिक, पुणे, नगर और सोलापुर की सीटों पर महायुती की सरकार को नुकसान झेलना पड़ा। पवार ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के दौरान इस बारे में एक बार फिर से उन्होंने पीयूष गोयल और अमित शाह से बात की है। वहीं जब आरएसएस के मुखपत्र में बीजेपी की हार की आलोचना को लेककर उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पवार ने कहा कि वह नई उम्मीद के साथ विधानसभा चुनाव में उतरेंगे और निश्चित तौर पर उनकी पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। बता दें कि आरएसएस के मुखपत्र में बीजेपी की हार की वजह 400 पार के नारे को बताया गया था। वहीं एनसीपी से गठबंधन को हार की वजह बताया गया था। बता दें कि एनसीपी को इस बार लोकसभा चुनाव में केवल एक सीट पर सफलता मिली है। इस बार एनडीए ने महाराष्ट्र में 48 में से केवल 17 सीटें ही हासिल कीं। इनमें से 9बीजेपी के खाते में, 7 शिवसेना शिंदे गुट के खाते में और एक ही सीट एनसीपी के खाते में गई है। वहीं महाविकास अघाड़ी गठबंधन ने 48 में से 30 सीटें जीतीं। एकनाथ शिंदे ने भी स्वीकार किया था कि किसानों की नाराजगी गठबंधन पर भारी पड़ी है। उन्होंने कहा था कि नासिक में प्याज ने रुलाया था तो मराठवाड़ा और बिदर्भ में सोयाबीन और कपास ने रुला दिया।

भाजपा में दरार की अफवाहों के बीच सुंदरराजन से मिले अन्नमलाई, खुलकर की तारीफ

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को पार्टी नेता और पूर्व गवर्नर तमिलिसाई सुंदरराजन से मुलाकात की। सुंदरराजन से उनके आवास पर मुलाकात के बाद अन्नामलाई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह वरिष्ठ नेता तमिलिसाई से मिलकर बेहद खुश हैं, जिन्होंने पार्टी की तमिलनाडु अध्यक्ष के रूप में कुशलतापूर्वक काम किया। अन्नामलाई ने कहा कि सुंदरराजन ने जब राज्य में पार्टी का नेतृत्व किया था तब उन्होंने दृढ़ता से कहा था कि तमिलनाडु में कमल खिलेगा और इसे हासिल करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की थी। अन्नामलाई ने कहा कि उनके राजनीतिक अनुभव के साथ ही उनकी सलाह पार्टी के विकास के लिए निरंतर प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। सुंदरराजन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह अन्नामलाई से मिलकर खुश हैं। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए चुनाव के बाद तमिलनाडु भाजपा के भीतर दरार की अटकलों को खारिज करते हुए अन्नामलाई ने कहा, भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है और लोग अपनी राय व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ टिप्पणियां अप्रिय थीं। उन्होंने कहा, मैंने किसी को चुप नहीं कराया है। मैं ऐसा नेता हूं जो चाहता है कि हर कोई बोले, बशर्ते आप उस लक्ष्मण रेखा को पार न करें। लोकसभा चुनाव के बाद सुंदरराजन ने कहा था

कि भाजपा तमिलनाडु में बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी, अगर वह एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में होती। उन्होंने खुले तौर पर एआईएडीएमके के एक नेता का समर्थन भी किया जिन्होंने आरोप लगाया था कि अन्नामलाई के कारण भाजपा-एआईएडीएमके का गठबंधन टूटा। उन्होने 6 को कहा, अगर भाजपा एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में होती तो डीएमकेसभी सीटें नहीं जीत पाती। यह चुनावी गणित है। गठबंधन एक राजनीतिक रणनीति है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात तमिलनाडु में भाजपा की चुनावी हार के बाद सोशल मीडिया पर सुंदरराजन के समर्थकों और अन्नामलाई के बीच वाकयुद्ध के कुछ दिनों बाद हुई है।

देश में विभाजन का बीज बोना राष्ट्र की एकता के लिए अच्छा नहीं -बाबा रामदेव

हरिद्वार, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता इंद्रेश कुमार के बयान पर हंगामा मचा हुआ है। आरएसएस ने खुद को इस बयान से किनारा कर लिया है। अब योग गुरु बाबा रामदेव की भी प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने कहा है कि भगवान राम सबके हैं और देश भी सबका है। देश में विभाजन का बीज बोना राष्ट्र की एकता के लिए अच्छा नहीं है। रामदेव ने शुक्रवार को हरिद्वार में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, राजनीति में बयानबाजी होती रहती है। भगवान राम सबक हैं। यह राष्ट्र सभी का है। हम सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जाति, संप्रदाय और विचारधाराओं के आधार पर विभाजन पैदा करना राष्ट्रीय एकता के लिए ठीक नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए रामदेव ने कहा, पिछले एक दशक में चुनौतियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से आगे बढ़ाया है। मेरा दृढ़ विश्वास है वह देश को आगे ले जाना जारी रखेंगे। इंद्रेश

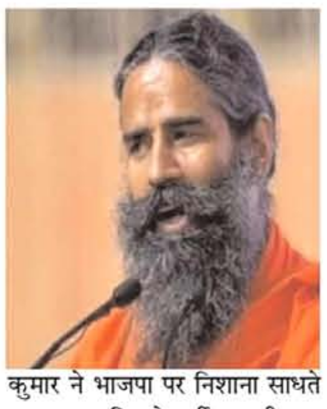

कुमार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि जो पार्टी राम की पूजा करती थी, वह अहंकारी हो गई, ऐसे में 2024 के चुनाव में वह सबसे बड़ी पार्टी बन तो गयी, लेकिन जो उसे सत्ता (अकेले पूर्ण बहुमत) मिलनी चाहिए थी, उसे भगवान राम ने अहंकार के कारण रोक दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग राम का विरोध करते थे, उनमें से किसी को भी सत्ता नहीं मिली, यहां तक कि सभी को मिलाकर दूसरे नंबर पर खड़ा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि भगवान का न्याय बडा सत्य है, बड़ा आनंददायक है। उन्होंने स्पष्ट रूप से सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन दोनों पर निशाना साधा। हालांकि, उन्होंने किसी पार्टी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि भक्ति करने वाली पार्टी अहंकारी हो गई, उसे 241 पर ही भगवान ने रोक दिया, लेकिन उसे सबसे बड़ी पार्टी बना दिया और जिनकी राम में आस्था नहीं थी, उन सबको मिलकर भगवान ने 234 पर रोक दिया । इंद्रेश के बयान से आरएसएस का किनारा आरएसएस ने शुक्रवार को भाजपा के साथ अपने मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया और इसे भ्रम पैदा करने की कोशिश करार दिया। संघ के सूत्रों ने इस बात को भी मानने से इनकार किया कि लोकसभा चुनाव परिणामों को लेकर सरसंघचालक मोहन भागवत की आलोचनात्मक टिप्पणियां सत्तारूढ़ पार्टी को निशाना बनाकर की गई थीं।

सूत्रों ने यह भी कहा कि आरएसएस और भाजपा सहित उसके सहयोगी संगठनों की तीन दिवसीय वार्षिक समन्वय बैठक केरल के पलक्कड़ जिले में 31 अगस्त से शुरू होगी। बैठक में भाजपा अध्यक्ष समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। आरएसएस सूत्रों ने कहा, आरएसएस और भाजपा के बीच कोई दरार नहीं है।

अमेरिका की सुपर-8 में दस्तक

बारिश ने धुले पाकिस्तान के अरमान, बोरिया बिस्तर पैक

टी 20 वर्ल्ड कप

फ्लोरिडा। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में फ्लोरिडा में अमेरिका-आयरलैंड मैच बारिश से धुल गया। भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से मैच होना था। फ्लोरिडा में लगातार बारिश के कारण लॉडरहिल के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड आउटफील्ड मैच के लिए तैयार नहीं हो पाया। मैच जिस समय होना था तब बारिश नहीं हो रही थी, लेकिन बीते कुछ दिनों में खूब बारिश होने के कारण मैदान मैच के लिए तैयार नहीं हो सका। अमेरिका-आयरलैंड मैच धुलने के साथ पाकिस्तान के सुपर-8 में पहुंचने की संभवानाएं समाप्त हो गईं। अमेरिका ने सुपर-8 में जगह बनाकर इतिहास रच दिया। यह उसका पहली टी20 वर्ल्ड कप है और वह सुपर-8 में पहुंच गया। किसी को उम्मीद नहीं थी कि अमेरिका अगले स्टेज तक पहुंच जाएगा। ग्रुप-ए भारत पहले ही सुपर-8 में जगह बना लिया था पाकिस्तान के साथ-साथ आयरलैंड और कनाडा का भी बोरिया बिस्तर पैक हो गया।

पाकिस्तान खुद जिम्मेदार

पाकिस्तान की टीम अमेरिका और भारत से हार गई थी। कनाडा के खिलाफ जीत के बाद उम्मीदें जिंदा रहीं, लेकिन फ्लोरिडा की बारिश ने उन पर पानी फेर दिया। पाकिस्तान की टीम सुपर-8 में नहीं पहुंच पाने के लिए खुद जिम्मेदार है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का ग्रुप-ए में भारत के अलावा आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका जैसी टीमें थीं। भारत को छोड़ दें तो वह किसी भी टीम को आसानी से हरा सकती थी, लेकिन अमेरिका के खिलाफ हार जाने के बाद कैसे सुपर-8 में पहुंचने की उम्मीद की जा सकती है। अमेरिका के खिलाफ मैच में पाकिस्तान की टीम ने काफी लचर प्रदर्शन किया था। सुपर ओवर मैच पहुंचा। मोहम्मद आमिर ने 18 रन लुटा दिए। अमेरिका ने आसानी से यह स्कोर डिफेंड कर लिया।

भारत पहले कर चुका क्वालिफाई

इस समय ग्रुप-ए की अंकतालिका में भारतीय टीम 6 अंकों के साथ टॉप पर काबिज है और वह सुपर 8 के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। जबकि अमेरिकी टीम 5 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है और उसने भी सुपर 8 में एंट्री ले ली। अमेरिका ने पाकिस्तान और कनाडा को हराया था, जबकि भारत के हाथों उसे हार मिली थी। पाकिस्तान टीम 2 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके बाद कनाडा और आयरलैंड का नंबर आता है। आयरलैंड-यूएसए मैच को कराने के लिए ग्राउंड स्टाफ ने काफी मेहनत की।

हरमनप्रीत की अगुवाई में दमदार प्रदर्शन करेगी भारतीय टीम

सीरीज आज से

नई दिल्ली। भारतीय और साउथ अफ्रीका महिला टीम के बीच रविवार यानि आज तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मैच बेंगलूर में खेला जाएगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम दमदार प्रदर्शन करना चाहेगी। लंबे समय में भारतीय टीम में वापसी कर रही प्रिया पुनिया अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। खूबसूरत महिला खिलाड़ियों में शामिल प्रिया पुनिया की करीब एक साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। 16 जून से शुरू हो रही साउथ अफ्रीका के खिलाफ प्रिया पुनिया को टीम में जगह दी गई है। प्रिया पुनिया ने अपना आखिरी वनडे मैच 19 जुलाई 2023 को बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। वहीं, भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने सीरीज से पहले फील्डिंग और फिटनेस के महत्व पर जोर दिया। मजूमदार ने कहा कि पूरी टीम फिटनेस और फील्डिंग पर काफी काम कर रही है और जल्द ही इसके परिणाम भी देखने को मिलेंगे। भारत रविवार को बेंगलुरु में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला वनडे मैच खेलने वाला है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, उमा छेत्री, दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्राकर, रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पूनिया।

पीएनजी के खिलाफ आखिरी टी20 विश्व कप खेलेंगे बोल्ट

युगांडा। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट होगा। बोल्ट 2011 में पदार्पण करने के बाद से न्यूजीलैंड टीम के अहम सदस्य रहे है। उन्हें टी20 विश्व कप, एकदिवसीय विश्व कप और टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने का अनुभव है। उन्होंने ने 2014 से चार टी20 विश्व कप में भाग लिया है। बोल्ट ने युगांडा पर न्यूजीलैंड की नौ विकेट की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं अपनी बात करूं तो यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप होगा। मुझे बस इतना ही कहना है।' युगांडा के खिलाफ मैच से पहले ही न्यूजीलैंड की टीम विश्व कप के सुपर आठ दौर से बाहर हो गयी थी। टीम अब ग्रुप सी में अपने आखिरी मैच में पापुआ न्यू गिनी का सामना करेगी जो टी20 विश्व कप में 34 साल के इस बायें हाथ के गेंदबाज का आखिरी मैच होगा। उन्होंने सुपर आठ से बाहर होने पर कहा, 'निश्चित रूप से हम टूर्नामेंट में ऐसी शुरुआत नहीं चाहते थे। इसे पचा पाना कठिन है।

किंग कोहली से प्रेरणा लेते हैं सौरभ नेत्रवलकर

नई दिल्ली। सौरभ नेत्रवलकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 में स्टार बनकर उबरे। उन्होंने अपनी गेंदबाजी से अच्छे-अच्छे बल्लेबाज़ों को परेशान किया। अमेरिका के तेज़ गेंदबाज़ ने भारत के खिलाफ मुकाबले में विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी आउट किया था। किंग कोहली को तो नेत्रवलकर ने गोल्डन डक पर ही पवेलियन भेज दिया था। भारतीय मूल के सौरभ नेत्रवलकर अमेरिका में बतौर इंजीनियर काम करते हैं और टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट भी खेलते हैं। वह भारत के लिए अंडर-19 खेल चुके हैं। मुंबई से आने वाले सौरभ ने फर्स्ट क्लास मैच भी खेले हैं और वह सूर्यकुमार यादव के काफी अच्छे दोस्त हैं। इसके साथ वह विराट कोहली को भी काफी अच्छे से जानते हैं। नेत्रवलकर ने एक बातचीत में कहा कि विराट कोहली फिटनेस, जुनून और अच्छी लाइफस्टाइल के मामले में मेरी प्ररणा हैं। बता दें कि विराट कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें कई लोग अपना आदर्श मानते हैं और

उनके साथ के कई क्रिकेटर उनसे प्रेरणा भी लेते हैं। इन दिनों खेले जा रहे टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अमेरिकी तेज़े गेंदबाज़ नेत्रवलकर शानदार प्रदर्शन करते हुए दिख रहे हैं। टूर्नामेंट में अमेरिका ने पहला मुकाबला कनाडा के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिल सका था। लेकिन फिर पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में उन्होंने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए 2 विकेट झटके और फिर टीम के लिए सुपर ओवर फेंका, जिसमें अमेरिका ने पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज की। इसके बाद भारत के खिलाफ मुकाबले में नेत्रवलकर ने 2 विकेट झटके। गौरतलब है कि सौरभ ने अब तक अमेरिका के लिए 48 वनडे और 30 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल लिए हैं। वनडे की 47 पारियों में बॉलिंग करते हुए उन्होंने 22.27 की औसत से 73 विकेट चटकाए और टी20 इंटरनेशनल की 30 पारियों में बॉलिंग करते हुए 20.03 की इकॉनमी से 31 विकेट अपने नाम किए। टी20 इंटरनेशनल में नेत्रवलकर की इकॉनमी सिर्फ 6.53 की रही है।

लग्जरी कार के शौकीन ऋषभ पंत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत वर्ष 2022 दिसंबर में एक कार हादसे का शिकार हो गए थे, लेकिन एक साल के बाद कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की और आईपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस समय टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। रुड़की (उत्तराखंड) में पैदा हुए पंत अपनी आक्रामक बल्लेबाजी स्टाइल और शानदार विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने खेल के दम पर वर्ल्ड में अपना एक खास मुकाम बनाया है आपको बताते हैं पंत की नेट वर्थ इस वक्त क्या है साथ ही साथ कारों के शौकीन इस खिलाड़ी के पास किस तरह की गाड़ियां हैं। ऋषभ इस वक्त दिल्ली कैपिल्स के कप्तान हैं। वो बीसीसीआई के वार्षिक अनुबंध में बी ग्रेड में हैं और उन्हें सालाना 3 करोड़ रुपये इसके लिए मिलते हैं। आईपीएल से उन्होंने अब तक 74 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए हैं। उन्हें गाड़ियों का काफी शौक है और उनके पास लगभग 6 करोड़ रुपये की कीमत की कारें हैं। पंत के पास फोर्ड मसटैंग की गाड़ी है जिसकी कीमत 2 करोड़ रुपए हैं जबकि मर्सिडीज बेंज जीएससी की कीमत 75 लाख रुपये है। पंत के पास एक ऑडी ए-8 कार भी है जिसकी प्राइस 1.3 करोड़ रुपये है।

कामरान का दावा

विराट से बेहतर उमर अकमल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज कामरान अकमल ने दावा किया है कि उनके छोटे भाई उमर अकमल के आंकड़े टी20 विश्व कप में विराट कोहली से बेहतर हैं। कामरान अकमल ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि विश्व कप टी20 मैचों में उमर के विराट कोहली से बेहतर आंकड़े हैं। कामरान उमर के विश्वकप के लिए न चुने जाने पर बोल रहे थे। कामरान ने कहा कि उमर तो विराट की छोटी उंगली के बराबर है। जब उनके प्रदर्शन और उनकी आभा की बात आती है तो वह विराट कोहली के करीब भी नहीं हैं। लेकिन उमर ने टी20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली से बेहतर स्ट्राइक रेट से और सबसे ज्यादा स्कोर बनाया है। कामरान ने कहा कि कि चूकि हमारे पास पीआर कंपनियां नहीं हैं इसलिए हम अपने आंकड़े और प्रदर्शन सोशल मीडिया पर साझा नहीं करते हैं।

जो सोचते हैं कि मैं फिट नहीं हूं

मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर उन्होंने विराट कोहली को ताना मारा होता। अभी हाल ही में 34 साल के उमर अकमल ने अपनी शर्टलेस फोटो पोस्ट की थी। जिसमें वह अपनी फिटनेस की निशानी के तौर पर अपने सिक्स-पैक एब्स दिखा रहे थे। उमर ने कैप्शन दिया- "कृपया ध्यान दें। यह उन लोगों के लिए है जो सोचते हैं कि मैं फिट नहीं हूं।" बता दें कि 2009 में खिताब जीतने वाला और दो बार उपविजेता रहने वाला पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया है। ये पहली बार हुआ है जब पाकिस्तान टी20 विश्वकप में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया हो। इस हार के बाद पाकिस्तान की किरकिरी हो रही है और बाबर, रिजवान और शाहीन जैसे बड़े खिलाड़ियों को टीम से निकालने की मांग भी हो रही है।

एचएस प्रणय को नाराओका से मिली हार

सि डनी। भारत के शीर्ष रैंकिंग के सिंग्लस खिलाड़ी एचएस प्रणय की हार के साथ ही ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। प्रणय को अपने से ऊंची रैंकिंग के जापान के कोडाई नाराओका से 19-21, 13-21 से हार मिली। भारत का कोई भी खिलाड़ी इस सुपर 500 टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में सफल नहीं रहा। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज प्रणय की हार से पहले पुरुष सिंगल्स वर्ग में समीर वर्मा और महिला सिंगल्स में आकर्षि कश्यप के अलावा सिक्की रेड्डी एवं बी सुमित रेड्डी की मिक्स्ड जोड़ी को अंतिम आठ में हार का सामना करना पड़ा। प्रणय ने शुरुआती गेम में 10-16 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी करते हुए स्कोर को 18-18 किया, लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सके। नाराओका ने दूसरे गेम में 5-5 की बराबरी के बाद अपना दबदबा

बनाना शुरू किया और फिर भारतीय खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी लोह किन यू को हराकर उलटफेर करने वाले समीर चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ दमखम नहीं दिखा सके। रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी ने उन्हें महज 38 मिनट में 21-12, 21-13 से हराया। मिक्स्ड डबल्स में सुमित और सिक्की की आठवीं वरीयता प्राप्त पति-पत्नी जोड़ी को भी जियान जेन बैंग और वेई या शिन की जोड़ी से शिकस्त मिली।

पाक के फिसड्डी कप्तान बनकर रह गए बाबर

नई दिल्ली। पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2024 से बाहर हो चुका है। बाबर आजम की कप्तानी वाली टीम पाकिस्तान सुपर 8 तक नहीं पहुंच सकी। पाकिस्तान ग्रुप ए में था। इसमें भारत और यूएसए भी थे। इन दोनों टीमों ने सुपर 8 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान का खराब प्रदर्शन दिखने को मिला है, इससे पहले भी टीम विश्व कप में इस तरह से परफॉर्म कर चुकी है। बाबर आजम की बात करें तो वे बड़े मौकों पर फ्लॉप ही साबित हुए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम में टी20 विश्व कप से पहले भारी ड्रामा चला। पाकिस्तान वनडे विश्व कप 2023 में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया। इसके बाद बाबर को कप्तानी से हटाया गया। शाहीन अफरीदी को टीम का कप्तान बनाया गया। सिलेक्टर्स भी बदल दिए गए। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का चेयरमैन बदला गया। शाहीन को पीएसएल के बाद कप्तानी से हटाकर फिर से बाबर को जिम्मेदारी सौंपी गई और अब टीम सुपर 8 तक भी नहीं पहुंच सकी। बाबर आजम बड़े मौकों पर फ्लॉप साबित हुए हैं।

सुमित नागल का शानदार प्रदर्शन जारी

पेरुगिया चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार को पेरूगिया चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। छठें वरीय नागल ने क्वार्टर फाइनल में गैर वरीयता प्राप्त पोलैंड के माक्स कसनिकोवस्की पर सीधे सेट में 6-4, 7-5 से जीत हासिल की। शनिवार को सेमीफाइनल में नागल का सामना स्पेन के गैर वरीय बर्नाबे जापाटा मिरालेस और दूसरे वरीय सर्बिया के लास्लो जेरे के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल के विजेता से होगा। यह नागल की जर्मनी में हीलब्रोन चैलेंजर के शुरू होने के बाद लगातार आठवीं जीत है। नागल ने एलेसांद्रो पर जीत दर्ज की।

बारिश की वजह से भारत-कनाडा मैच रद्द

फ्लोरिडा। टी 20 वर्ल्ड कप का एक और मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया है। अब भारत और कनाडा मैच में बारिश विलेन बनी है। हालांकि, शनिवार का मैच खराब आउटफील्ड की वजह से रद्द हुआ है। दरअसल, फ्लोरिडा में हो रही लगातार बारिश की वजह से मैदान काफी गीला था। ग्राउंड स्टाफ ने काफी प्रयास किया, लेकिन मैदान खेलने लायक स्थिति में नहीं था। इस वजह से करीब डेढ़ घंटे के इंतजार के बाद अंयार्स ने मैच को रद्द करने का फैसला किया।

बिना टॉस के मैच खत्म

भारत और कनाडा का मैच फ्लोरिडा के लॉडरहिल स्थित सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड पर खेला जाना था। इस मैच का टॉस भारतीय समय के अनुसार शाम साढ़े बजे होना था। हालांकि, खराब आउटफील्ड की वजह से समय पर मैच का टॉस नहीं हो सका। इसके बाद ग्राउंड स्टाफ मैदान को खेलने लायक बनाने के लिए जुटे रहे, लेकिन मैदान काफी गीला था। ऐसे में करीब डेढ़ घंटे के इंतजार के बाद अंपायर्स ने मैच को रद्द करने का फैसला किया। इस मुकाबले का टॉस भी नहीं हो सका।

मुख्य कोच पद के लिए कुंबले ने किया गंभीर का समर्थन

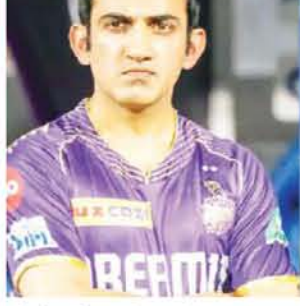

इससे बड़ा कोई सम्मान नहीं : गंभीर

हाल ही में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ किया था कि अलग प्रारूपों के लिए अलग कोच नहीं होगा। ऐसे में तीनों प्रारूप के लिए सिर्फ एक कोच की तलाश होगी, जो 3.5 साल तक भारतीय क्रिकेट टीम की जिम्मेदारी संभालेगा। टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने की अटकलों के बीच गौतम गंभीर ने बड़ा बयान दिया था। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें भारतीय टीम का कोच बनना अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा है कि अगर मौका मिला तो मैं भारत का कोच बनना पसंद करूंगा। इससे बड़ा कोई सम्मान नहीं है। अपनी राष्ट्रीय टीम को कोचिंग देने से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। आप 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा कि केकेआर के मेंटर राहुल द्रविड़ की जगह लेने और भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में सफलता पाने में निश्चित रूप से सक्षम हैं। दरअसल, बीसीसीआई ने टी20 विश्व कप 2024 के साथ राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। बीसीसीआई ने भी टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ही नए कोच की तलाश शुरू कर दी थी। इसको लेकर आवेदन मंगाए थे जिसकी अंतिम तारीख 27 मई तय की गई थी।टीम इंडिया के अगले मुख्य कोच के लिए गंभीर का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, अब तक इसका पता चला नहीं सका कि उन्होंने इस पद के लिए आवेदन किया है या नहीं। इस बीच कुंबले ने पूर्व सलामी बल्लेबाज का समर्थन करते हुए बीसीसीआई से उन्हें समय देने की मांग की है। कुंबले ने कहा, "आपको समय देना होगा। वह निश्चित रूप से सक्षम है। हमने गंभीर को टीमों को संभालते देखा है। वह भारत का, फ्रेंचाइजी का कप्तान रहा है। उसके पास ऐसा करने के लिए सभी योग्यताएं हैं। लेकिन भारतीय टीम की कोचिंग करना थोड़ा अलग है। आपको उसे जमने के लिए समय देना होगा। जैसा कि मैंने कहा, यदि वह यह पद लेता है, तो उसे न केवल वर्तमान टीम को देखना होगा, बल्कि भारतीय क्रिकेट के भविष्य को भी देखना होगा।"

भारत का निर्यात नौ फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर, व्यापार घाटा 7 माह के शीर्ष पर

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत से वस्तुओं का निर्यात मई, 2024 में सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में देश से 34.95 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया गया था। व्यापार घाटा भी पिछले माह बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 23.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले अक्तूबर, 2023 में सर्वाधिक 31.46 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था।

वाणिज्य मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, कच्चे तेल की खरीदारी बढ़ने से मई में आयात भी 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर पहुंच गया। मई, 2023 में 57.48 अरब डॉलर का आयात किया गया था। मंत्रालय ने कहा कि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, कपड़ा और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।इससे पहले अप्रैल, 2024 में देश का निर्यात घटकर 41.68 अरब डॉलर रह था। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों यानी अप्रैल-मई में निर्यात 5.1 फीसदी बढ़कर

73.12 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात भी 8.89 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 116 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

प्रतिशत-आभूषणनिर्यात में 4.97 फीसदी गिरावट

र प्रतिशत एवं आभूषण का निर्यात मई में 4.97 फीसदी घटकर 20,713.37 करोड़ रुपये रह गया। र प्रतिशत व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के आंकड़ों के मुताबिक, सोने के आभूषणों का निर्यात 13.1 फीसदी बढ़कर 5,507.71 करोड़ पहुंच गया। चांदी के आभूषणों का निर्यात भी बढ़कर 1,103.72 करोड़ रुपये पहुंच गया।हालांकि, तराशे और पॉलिश किए गए हीरों का सकल निर्यात 14,190.28 करोड़ से घटकर 12,270.54 करोड़ रुपये रह गया।

आगे भी जारी रहेगी वृद्धि : वाणिज्य सचिव

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, निर्यात के नजरिये से मई उत्कृष्ट महीना रहा है। आगे भी यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई कम हो रही है। इससे क्रय शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी, जिससे आयात की मांग बढ़ेगी।

सेवाओं का निर्यात भी बढ़ा

सेवाओं का निर्यात मई में सालाना आधार पर 11.74 फीसदी बढ़कर 30.16 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 26.99 अरब डॉलर था। सेवाओं का आयात भी 8.81 फीसदी बढ़कर 17.28 अरब डॉलर पहुंच गया।

कच्चे तेल का आयात मई में 28 फीसदी बढ़कर 20 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह, 2024-25 के पहले दो महीनों में क्रूड आयात 24.4 फीसदी बढ़कर 36.4 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, सोने का आयात घटकर 3.33 अरब डॉलर रह गया। भारत ने जिन पांच देशों को सर्वाधिक निर्यात किया, उनमें अमेरिका, नीदरलैंड, यूएई, मलयेशिया और ब्रिटेन शामिल हैं।

हर 2 शेयर पर मिलेगा 1 बोनस शेयर, अगले हफ्ते है रिकॉर्ड डेट, 10 साल में निवेशक मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। महार प्रतिशत कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड 10 साल में तीसरी बार अपने निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा देने जा रही है। कंपनी 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर देने वाली है। यानी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर देगी। बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट अगले हफ्ते 21 जून 2024 को है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के शेयर शुक्रवार 14 जून 2024 को 536.25 रुपये पर बंद हुए हैं। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड पिछले 10 साल में तीसरी बार बोनस शेयर दे रही है। कंपनी ने इससे पहले जुलाई 2017 में भी 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम ने सितंबर 2016 में 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने 1 शेयर पर 2 बोनस शेयर दिए। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने पिछले 10 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 28 लाख रुपये से ज्यादा बना दिया है। एचपीसीएल के शेयर 11 जुलाई 2014 को 83.68 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने उस समय 1 लाख रुपये से एचपीसीएल के शेयर लिए होते तो उसे 1194 शेयर मिलते। अगर पिछले 10 साल में मिले बोनस शेयरों को जोड़ दें तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की संख्या बढ़कर 5372 पहुंच जाती। एचपीसीएल के शेयर 14 जून 2024 को 536.25 रुपये पर बंद हुए हैं। ऐसे में 5372 शेयरों का मौजूदा वैल्यू 28.80 लाख रुपये होती। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयरों में पिछले एक साल में 96 पर्सेंट के करीब तेजी आई है। कंपनी के शेयर 15 जून 2023 को 273.85 रुपये पर थे। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के शेयर 14 जून 2024 को 536.25 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 6 महीने में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के शेयरों में 40 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है।

खास खबर

आईआईटी मद्रास ने एआई और डेटा एनालिटिक्स में बी.टेक. प्रोग्राम शुरू किया

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने एआई और डेटा एनालिटिक्स में बी.टेक. प्रोग्राम (कोर्स कोड - 412एल: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स) शुरू किया है और शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से इसमें विद्यार्थियों को प्रवेश देगा। यह एक अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम है जिसके लिए एनआईआरएफ रैंक 1 संस्थान आईआईटीएम ने सुनियोजित प्रयास से छात्रों को मुख्य कौशल और ज्ञान देना सुनिश्चित किया है। इस प्रोग्राम में प्रवेश जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा के माध्यम से होगा। 2024 बैच के लिए संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण (जेओएसएए) की काउंसलिंग जारी है। यह प्रोग्राम एआई और डेटा एनालिटिक्स के अलग-अलग पहलुओं में विशेषज्ञता प्रदान करते हुए विभिन्न उद्योगों में इनके उपयोगों का व्यापक दृष्टिकोण देगा। इसमें जेईई के माध्यम से 50 विद्यार्थियों को प्रवेश देने का प्रावधान है। प्रोग्राम में गणित के मूल सिद्धांतों, डेटा विज्ञान / एआई / एमएल फाउंडेशन, एप्लीकेशन डेवलपमेंट और रिस्पॉसिबल डिजाइन पर जोर देने के साथ-साथ इंटरडिसिप्लिनरी ज्ञान दिया जाएगा। यह कोर्स वाधवानी स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड एआई के माध्यम से शुरू किया जा रहा है। आईआईटी मद्रास के एक विश्वप्रसिद्ध पूर्व छात्र और आईगेट और मैस्टेक डिजिटल के सह-संस्थापक श्री सुनील वाधवानी के 110 करोड़ रुपयों के अनुदान से इस स्कूल की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य दुनिया के सर्वोपरि एआई-प्रधान स्कूलों में प्रतिष्ठित होना है और साथ ही सरकार और नीति निर्माताओं को डेटा साइंस और एआई से संबंधित नीतिगत क्षेत्रों में सलाह देना है। इस बी.टेक. प्रोग्राम में विद्यार्थियों की शिक्षा में काफी लचीलापन होगा। वे अपने विभाग के भीतर और बाहर से इलैक्टिव की बड़ी रेंज से खुद चयन कर सकते हैं। अपनी सुविधा से शिक्षा यात्रा पूरी कर सकते हैं। वे सीच एंड लैंग्वेज टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर विज़न की बारीकियों को जानने से लेकर कंट्रोल एंड डिटेक्शन और टाइम-सीरीज़ एनालिसिस का गंभीर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। इतना ही नहीं, उन्हें अपने पैशन और अभिरुचि के क्षेत्रों में भी गहराई से सीखने का मौका मिलेगा।

कोटक लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया कोटक जेन2 जेन प्रोटेक्ट

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने अपनी नई सुरक्षा योजना कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह उत्पाद एक योजना के साथ दो पीढ़ियों को कवर करने के विकल्प के साथ इंडस्ट्री की ऐसी पहली सुविधा प्रदान करता है, जो इस सुरक्षा की विरासत को आगे बढ़ाता है। सर्वाइवल (उत्तरजीविता) पर प्रीमियम लाभ की 100 फीसदी गारंटीकृत वापसी के साथ आने वाला, कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट बच्चे को कम्पलीट रिस्क कवर (पूर्ण जोखिम कवर) ट्रांसफर करने की सुविधा प्रदान करता है, जब माता-पिता (प्राथमिक बीमाधारक) 60 या 65 साल के हो जाते हैं। इसके अलावा, यह रिस्क कवर बच्चे के साथ 60 साल की उम्र तक बना रहता है। यह उत्पाद वेलनेस बेनेफिट और एक्सीडेंटल डेथ बेनेफिट (दुर्घटना मृत्यु लाभ), स्थायी विकलांगता की स्थिति में लाभ और गंभीर बीमारी प्लस जैसे राइडर्स के माध्यम से व्यापक कवरेज भी प्रदान करता है। महिला पॉलिसीधारकों के लिए, कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट अतिरिक्त 5 फीसदी डेथ बेनेफिट प्रदान करता है। कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के एमडी, महेश बालासुब्रमण्यम ने कहा कि एक संगठन के रूप में, हमारा समर्पण उन उत्पादों को नया और क्यूरेट करने पर है, जो हमारे ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट एक ऐसा उत्पाद है, जिसके माध्यम से हमारे ग्राहक एक ही टर्म प्लान के साथ दो पीढ़ियों को सुरक्षित कर सकते हैं। इस उत्पाद की सोचसमझ भारतीयों द्वारा परिवार, परंपरा और विरासत को दिए जाने वाले महत्व से आती है। मूल्यों, ज्ञान और शिक्षा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी भारतीय संस्कृति में गहराई से समाहित है। यहां एक उत्पाद है जो इन मूल्यों के महत्व को समझता है।

अडानी के 105 वाले शेयर को खरीदने की मची है लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह की एक ऐसी भी कंपनी है जिसके शेयर की कीमत 110 रुपये से कम है। इस शेयर का नाम सांघी इंडस्ट्रीज है। सीमेंट कारोबार से जुड़ी इस कंपनी के शेयर की कीमत अभी 105 रुपये के करीब है। बीते कुछ दिनों से इस शेयर में तूफानी तेजी भी है। बीते शुक्रवार की ही बात करें तो शेयर 103.08 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 112.70 रुपये तक पहुंच गया। वहीं, कारोबार के अंत में शेयर 105.81 रुपये पर बंद हुआ। शेयर में 2.65 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। जनवरी 2024 में 156.20 रुपये के भाव तक पहुंचने वाला यह शेयर पिछले साल जून में 65.58 रुपये के निचले स्तर तक गया था। यह दोनों भाव शेयर के 52 हफ्ते का हाई और लो है।

शेयर में तेजी की वजह

दरअसल, सांघी इंडस्ट्रीज की प्रमोटर कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने एक बड़ी डील की है। इसके तहत अंबुजा सीमेंट्स ने गुरुवार को हैदराबाद स्थित पेन्ना सीमेंट को 10,422 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर नकद सौदे में खरीदने की घोषणा की। इस अधिग्रहण से समूह को न केवल दक्षिण भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी, बल्कि वह श्रीलंका के बाजार में भी प्रवेश कर सकेगा। इससे पहले, अंबुजा सीमेंट का श्रीलंका में एक थोक सीमेंट टर्मिनल था, जो बाद में स्विटजरलैंड की भवन निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी होल्सिम का हिस्सा बन गया। होल्सिम ने 2022 में भारत का अपना सीमेंट व्यवसाय अडानी समूह को बेच दिया था।

बढ़ने वाला है दबदबा

देश के दूसरे बड़े सीमेंट उत्पादक अडानी समूह ने कहा कि वह मौजूदा परियोजनाओं के विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और पेन्ना सीमेंट के अधिग्रहण से उसे 14 करोड़ टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता हासिल करने में मदद मिलेगी। कंपनी को यह सौदा अगले तीन-चार महीनों में पूरा हो जाने की उम्मीद है। हालांकि, यह नियामकीय एवं अन्य सरकारी मंजूरियों पर निर्भर करेगा।

एसबीआई ने दिया ग्राहकों को झटका, महंगी हो जाएगी आपकी हर महीने की ईएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर देश के सबसे बड़े भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के ग्राहक हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, एसबीआई ने अलग-अलग टेन्योर के लिए मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट की दर में 10 बेसिस प्वाइंट (0.1 प्रतिशत) की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के बाद एमसीएलआर बेस्ड लोन लेना महंगा हो जाएगा तो ईएमआई भी पहले के मुकाबले ज्यादा देनी होगी। एसबीआई का फैसला ऐसे समय में आया है जब आरबीआई ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। बता दें कि फरवरी, 2023 से ही रेपो रेट स्थिर है। इस बढ़ोतरी से एक साल का एमसीएलआर 8.65 प्रतिशत से बढ़कर 8.75 प्रतिशत हो गया है। वहीं, एक महीने और तीन महीने का एमसीएलआर 8.20 प्रतिशत से बढ़कर 8.30 प्रतिशत है। छह महीने की एमसीएलआर अब 8.55 प्रतिशत से बढ़कर 8.65 प्रतिशत हो गई है। इसके अतिरिक्त, दो साल की एमसीएलआर 8.75 प्रतिशत से बढ़कर 8.85 प्रतिशत कर दी गई है। इसी तरह, तीन साल की एमसीएलआर अब 8.85 प्रतिशत से बढ़कर 8.95 प्रतिशत हो गई

है। बता दें कि होम और ऑटो लोन सहित अधिकांश खुदरा ऋण, एक साल की एमसीएलआर दर से जुड़े होते हैं।

बता दें कि एमसीएलआर बढ़ोतरी का आरबीआई के रेपो रेट या ट्रेजरी बिल यील्ड जैसे एक्सटर्नल बेंचमार्क से बंधे ऋण वाले लेंडर्स पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अक्टूबर 2019 से एसबीआई सहित बैंकों को मौद्रिक नीति संचरण में सुधार के लिए नए ऋणों को इन एक्सटर्नल बेंचमार्क से जोड़ना आवश्यक हो गया है।

इस बीच, एसबीआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने कारोबार बढ़ाने के लिए बॉन्ड के जरिये 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 830 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह राशि वरिष्ठ असुरक्षित अस्थिर दर वाले ऋणपत्रों के जरिए जुटाई गई है। इसकी परिपक्वता अवधि तीन साल है। एसबीआई ने बताया कि ये बॉन्ड 20 जून, 2024 तक उसकी लंदन शाखा के जरिये जारी किए जाएंगे।

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना: एक लाख घरों में लगेंगे सोलर पैनल, 90 हजार रुपये की मिलेगी सब्सिडी

बरेली, एजेंसी। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बरेली जिले में एक लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है। इसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गए हैं। बिजली निगम के अधिशासी अभियंता उमेश चंद्र सोनकर को नोडल अधिकारी बनाया गया है। योजना के तहत दो किलोवाट पर 90 हजार व एक किलोवाट पर 45 हजार रुपये की सब्सिडी सरकार की तरफ से दी जा रही है।

नेडा के परियोजना अधिकारी अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराया जा सकता है। पंजीकरण के बाद एक मैसेज मोबाइल फोन पर आएगा। मैसेज आने का मतलब आपका नाम योजना के लाभार्थियों की सूची में शामिल हो गया है। वेबसाइट पर वेंडरों के नाम की सूची है। इनसे सोलर पैनल खरीदे जा सकते हैं।

1.30 लाख रुपये में 90 हजार सब्सिडी

इसमें दो किलोवाट का सोलर पैनल 1.30 लाख रुपये में लगाया जा रहा है। इसमें 90 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। इसी तरह से एक किलोवाट का सोलर पैनल करीब 65 हजार का लगेगा। इसके लिए 45 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। पैनल लगवाने के बाद पात्र के घर पर मीटर लगाया जाएगा। इस मीटर में यह पता चल जाएगा कि कितनी बिजली का उत्पादन हुआ व कितनी की खपत हुई।

नेडा के परियोजना अधिकारी अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिले में एक लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन आने शुरू हो गए हैं। बिजली निगम को इसका नोडल बनाया गया है।

सरकार ने कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में की कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने शनिवार से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 5,200 रुपये प्रति टन से घटाकर 3,200 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है।

एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि नई दरें आज (15 जून) से प्रभावी होंगी। भारत पहली बार 1 जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ या विंडफॉल टैक्स लगाकर उन देशों में शामिल हो गया था जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में हुंडई

21 साल में पहली बार आ रहा इस तरह का इश्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की कार कंपनी हुंडई भारत में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में है। कंपनी अपनी भारतीय यूनिट में आईपीओ के जरिए करीब 17 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। इस आईपीओ से कंपनी 25,000 करोड़ रुपये (करीब 3 अरब डॉलर) जुटाएगी। इस तरह कंपनी का वैल्यूशन करीब 18 अरब डॉलर या 1.5 लाख करोड़ रुपये होगा। देश में अब तक सबसे बड़ा आईपीओ लाने का रेकॉर्ड एलआईसी के पास है। कंपनी मई 2022 में 21,008 करोड़ रुपये का आईपीओ लाई थी। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के आईपीओ का आकार 18,300 करोड़ रुपये, कोल इंडिया का 15,199 करोड़ रुपये और रिलायंस पावर का आईपीओ 11,563 करोड़ रुपये का था। यह भारत में किसी ऑटो कंपनी का दो दशक से अधिक समय में पहला आईपीओ होगा। इससे पहले देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी साल 2003 में आईपीओ लाई थी।

भारत के ऑटो सेक्टर में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स पहले ही लिस्ट हो चुकी है जबकि ओला इस्पू लाने की तैयारी में है। मारुति देश की सबसे वैल्यूएबल

ऑटो कंपनी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा दूसरे और टाटा मोटर्स तीसरे नंबर पर है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने हाल ही में ओला के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। हुंडई पिछले एक साल आईपीओ लाने की तैयारी कर रही थी। माना जा रहा है कि कंपनी जल्दी ही सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा और हुंडई इंडिया की पेरेंट कंपनी ऑफर फॉर सेल के तहत अपनी हिस्सेदारी बेचेगी। सूत्रों ने बताया कि सिटी इंडिया, जेपी मॉर्गन इंडिया, कोटक महिंद्रा कैपिटल उन मर्चेंट बैंकर्स में शामिल हैं जो इस इश्यू को मैनेज करेंगे।

हालांकि हुंडई इंडिया का आईपीओ कब आएगा, इसका समय अभी तय नहीं हुआ है। एक सूत्र ने कहा कि सेबी की प्रक्रिया कुछ महीनों तक चल सकती है। शेयर बाजार अभी रेकॉर्ड ऊंचाई पर है और इसमें तेजी बने रहने की उम्मीद है। हुंडई इस स्थिति का फायदा उठाने के लिए जल्दी से जल्दी मंजूरी चाहती है। कंपनी इसलिए भी जल्दबाजी में है क्योंकि पिछले दो सालों में मजबूत वृद्धि देखने के बाद कार बाजार मंदी की ओर बढ़ रहा है। यह वजह है कि हुंडई जल्द से जल्द बाजार में उतरना चाहती है। हुंडई ने आईपीओ से पहले एक आक्रामक विस्तार योजना का संकेत देते हुए कहा है कि वह 2025 तक देश में अपना सालाना प्रॉडक्शन दस लाख यूनिट करेगी। कंपनी का जोर सस्ते इलेक्ट्रिक वाहनों पर होगा। कंपनी ने भारत में 32,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। इसमें महाराष्ट्र में जीएम के प्लांट को खरीदने की लागत शामिल है। इसका काम अगले साल के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे कंपनी की मौजूदा प्रॉडक्शन कैपेसिटी 8.2 लाख यूनिट में 2 लाख यूनिट का इजाफा होगा। कंपनी ने ईवी के लिए एक आक्रामक योजना बनाई है। कंपनी अगले साल क्रेटा एसयूवी का इलेक्ट्रिक मॉडल उतार सकती है। साथ ही उसकी साल 2030 तक पांच ईवी मॉडल लॉन्च करने की भी योजना है। हुंडई इंडिया अपने बिक्री नेटवर्क हब का भी उपयोग करेगी। 2030 तक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की संख्या को 485 तक बढ़ाया जाएगा। हुंडई ने कहा है कि कंपनी के लिए भारत का रणनीतिक महत्व है और देश से निर्यात पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

टाटा की 6 कंपनियों पर रेटिंग एजेंसी की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी-एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने टाटा समूह की 6 कंपनियों को रेटिंग बढ़ने की उम्मीद के साथ क्रेडिट निगरानी में रखा है। ये कंपनियां- टाटा स्टील लिमिटेड, टाटा मोटर्स लिमिटेड, जैगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी (जेएलआर), टाटा पावर कंपनी लिमिटेड, टीएमएल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड और एबीजेए इन्वेस्टमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड हैं।

क्या कहा एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि रेटिंग संबंधी यह कार्रवाई समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड (अनरेटेड) और उसकी सब्सिडियरी कंपनियों के बीच संबंधों की समीक्षा से पहले की गई है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि उसकी समीक्षा में यह आकलन किया जाएगा कि क्या टाटा संस की ओर से समूह की कंपनियों के लिए असाधारण समर्थन की संभावना पहले के अनुमान से अधिक है। एजेंसी ने कहा कि ऐसा समूह के भीतर परिचालन और प्रबंधन संबंधों में वृद्धि के कारण हुआ है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि समूह की वित्तीय रणनीति पर टाटा संस की स्पष्ट छाप है।

टाइम ने माना लोहा

बता दें कि हाल ही में टाटा समूह को अमेरिका के प्रतिष्ठित पत्रिका 'टाइम' की वर्ष 2024 की दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों की सूची में जगह मिली है। टाइम पत्रिका ने टाटा को 'टाइटन' श्रेणी में सूचीबद्ध किया। अमेरिकी पत्रिका ने टाटा समूह का जिक्र करते हुए कहा है कि इसके पास इस्पात, सॉफ्टवेयर, घड़ियां, समुद्री केबल और रसायन से लेकर नमक, अनाज, एयर-कंडीशनर, फैशन और होटल तक का विशाल पोर्टफोलियो है। टाइम ने कहा, ''फरवरी में टाटा का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 365 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया जो भारत के पड़ोसी और प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान की समूची अर्थव्यवस्था से भी अधिक है।''

'मुंज्या' की सफलता एन्जॉय कर रही हैं शरवरी

तृप्ति डिमरी के बाद नेशनल क्रश का टैग अपने नाम कर चुकी एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपनी फिल्म 'मुंज्या' को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। यह मूवी कुछ दिनों पहले ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार कर रही है। ऐसे में अब एक्ट्रेस इस समय फिल्म की सफलता को एन्जॉय कर रही हैं। अक्सर शरवरी वाघ को लेकर यह खबर आती रही है कि वह विक्की कौशल के भाई सनी कौशल को डेट कर रही हैं।

कई बार दोनों को साथ देखा गया और खास मौकों पर दोनों एक-दूसरे के लिए अपना प्यार लुटाते हुए भी नजर आते हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर ऑफिशियल घोषणा नहीं की है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस से विक्की कौशल और कटरीना कैफ को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कुछ ऐसा जवाब दिया जिसे सुनकर फैंस हैरान हो सकते हैं। हाल ही में फिल्मी ज्ञान से बात करते हुए एक्ट्रेस से फैन के कुछ सवाल पूछे गए। इसमें से एक सवाल था कि वह विक्की कौशल और कटरीना कैफ में से किसके साथ अच्छी बॉन्डिंग शेयर करती हैं। इसके जवाब में 'मुंज्या' एक्ट्रेस ने कहा कि उनके हिसाब से दोनों के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग है। इसके साथ ही जब उनसे दूसरा सवाल किया गया कि पावर कपल वर्ड सुनते ही उनके माइंड में किसका नाम आता है, तो शरवरी ने बिना टाइम लिए विक्की-कैट का नाम लिया। शरवरी को लेकर ऐसी खबरें आ रही है कि वह जल्द ही वाईआरएफ की एक फिल्म में आलिया के साथ नजर आ सकती हैं, जो स्पाई यूनिवर्स होने वाली है। इसके साथ ही अगस्त में जॉन अब्राहम के साथ उनकी मूवी वेदा आने वाली है, जो 15 अगस्त को रिलीज होगी।

सोनाली बेंद्रे को मारने के लिए तैयार थीं सरोज

सोनाली बेंद्रे बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक हैं। उन्होंने सलमान खान से लेकर आमिर खान तक बी टाउन के कई स्टार्स के साथ काम किया है। अब सोनाली एक डांस रियलिटी शो को जज कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया है। एक्ट्रेस ने बताया है कि जब वह इंडस्ट्री में आई थीं, उस समय उन्हें डांस बिल्कुल नहीं आता था। सोनाली ने बताया कि उन्हें डांस वाले गानों का हिस्सा बनने से बहुत घबराहट हुआ करती थी। यहां तक कि एक वक्त तो ऐसा आया, जब एक गाने के दौरान कोरियोग्राफर सरोज खान उनसे इतना परेशान हो गई थीं कि उन्हें मारने के लिए तैयार थीं। सोनाली ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि कैसे उन्हें निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म 'बॉम्बे' का बेस्ट सॉन्ग 'हम्मा हम्मा' मिला, जो 90 के दशक के सबसे फेमस डांस नंबरों में से एक बन गया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने यह भी स्वीकार किया कि उस समय उन्हें डांस नंबर का हिस्सा बनते हुए बहुत चिंता होती थी। इस बारे में सोनाली ने कहा मैं एक प्रोफेशनल डांसर नहीं हूं। मैं एक प्रोफेशनल एक्ट्रेस नहीं हूं।

डिप्रेशन का शिकार हो चुकी हैं पश्मीना

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन की कजिन सिस्टर पश्मीना रोशन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म के साथ ही वह इंडस्ट्री में अपना डेब्यू भी करने जा रही हैं। मूवी में उनके साथ रोहित सराफ भी नजर आने वाले हैं। फिल्म को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बाकी हैं। ऐसे में इसकी कास्ट और पूरी टीम मूवी का जमकर प्रमोशन करते हुए नजर आ रही हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म को प्रमोट करते हुए पश्मीना ने अपनी मेंटल हेल्थ और इस फिल्म में की गई मेहनत के बारे में बात की। हाल ही में बात करते हुए एक्ट्रेस ने इस बात को स्वीकार किया की अपने शुरुआती सालों में वह डिप्रेशन से जूझ रही थीं। इसके बारे में खुलकर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह पहले काफी कंफ्यूज रहती थीं। उस समय वह सोचती थी कि वह एक अच्छी एक्ट्रेस बन पाएंगी या नहीं। पश्मीना अपने स्कूल के टाइम से ही एक्टिंग कर रही हैं। हालांकि वह इसे लेकर श्योर नहीं थी कि उन्हें अपना करियर एक्टिंग में ही बनाना है या नहीं। इसकी वजह से पश्मीना ने मार्केटिंग का कोर्स करने के लिए विदेशों के कई कॉलेज में अप्लाई भी कर दिया था, लेकिन वह अपने आप को उसके लिए भी अच्छा नहीं समझती थीं। इसके साथ ही 'इश्क विश्क रिबाउंड' की एक्ट्रेस ने बताया कि उस समय उनके पास कॉन्फिडेंस की भी काफी कमी थी। फिर उन्होंने अपने हुनर को जानने के लिए फोटोशूट करवाया और उसे अपने परिवार वालों को दिखाया। उसे देखने के बाद उनके उनकी फैमिली ने कहा कि हर किसी में कुछ न कुछ हुनर होता है, लेकिन उसको निखारना पड़ता है। उनकी ये बात सुनने के बाद पश्मीना ने एक्टिंग और डांस की ट्रेनिंग ली और बैक टू बैक कई ऑडिशन भी दिए। हालांकि, शुरू में उन्हें रिजेक्शन ही मिला और फिर कड़ी मेहनत के बाद उन्हें यह फिल्म मिली। बता दें कि 'इश्क विश्क रिबाउंड' 21 जून को रिलीज होने वाली है।

सबा आजाद को नहीं मिल रहा है काम?

ऋतिक रोशन और सबा आजाद अपने प्यार का इकरार करने से कभी नहीं कतराए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कभी अपने रिश्ते पर भले ही कुछ न बोला हो, लेकिन सोशल मीडिया पर वह आए दिन एक-दूजे संग तस्वीरें शेयर करते हैं। सबा ऋतिक के फैमिली फंक्शन्स में भी कई बार शामिल हो चुकी हैं, जिसकी फोटोज खुद एक्टर ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। हालांकि एक तरफ जहां दोनों अपनी लव लाइफ में काफी खुश हैं, तो वहीं प्रोफेशनल फ्रंट पर सबा आजाद को अब काफी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं, जिसके बारे में खुद उन्होंने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर जानकारी शेयर की है। सबा आजाद ने हाल ही में इंस्टा स्टोरी पर काम न मिलने को लेकर दिल का हाल बयां किया है। उन्होंने बिना नाम लिए बताया है कि उनकी लव लाइफ की वजह से उनका काम कितना ज्यादा इफेक्ट हुआ है। सबा आजाद ने बताया कि वह काफी सालों से वॉइस ओवर आर्टिस्ट के तौर पर काम कर रही थीं, लेकिन पिछले दो सालों से उन्हें वॉइस ओवर का कोई काम नहीं मिला है। उन्होंने ये भी बताया कि किस तरह डायरेक्टर सोचते हैं कि वह किसी अमीर और सक्सेसफुल एक्टर को डेट कर रही हैं, तो उन्हें शायद काम की जरूरत नहीं है। सबा आजाद ने जो पहली फोटो शेयर की, उसमें वह रिकॉर्डिंग स्टूडियो में खड़ी हुई हैं, इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि मैं अपनी पुरानी आदतों में लौट चुकी हूं, वॉइस ओवर रिकॉर्ड कर रही हूं, 2 साल बाद। इसके बाद उन्होंने कई स्टोरीज शेयर कर बताया कि उन्हें क्यों इतने समय से काम नहीं मिला और क्या-क्या दिक्कतें आई।

क्या गदर 3 में नहीं दिखेंगी अमीषा पटेल?

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर भूचाल ला दिया था। ओह माय गॉड 2 जैसी फिल्म को पछाड़कर अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस मूवी ने इतिहास रचा था। इस फिल्म ने सनी देओल और अमीषा पटेल दोनों के करियर को ही एक नई उड़ान दी थी। फिल्म के सेकंड पार्ट के बाद फैंस ने मेकर्स से गदर 3 बनाने की डिमांड भी की थी। अनिल शर्मा ने भी कहा था कि वह गदर 3 जरूर लेकर आएंगे। हालांकि अब सकीना का किरदार निभाने वालीं अमीषा पटेल ने 'गदर 3' में काम करने से पहले एक ऐसी शर्त रख दी है, जिसे जानकर मेकर्स का भी दिमाग घूम जाएगा। गदर 2 को हिट करवाने की जिम्मेदारी भले ही सनी देओल और अमीषा पटेल के कंधों पर थी, लेकिन फिल्म में दोनों का ही किरदार काफी कम था। अब हाल ही में बातचीत करते हुए अमीषा पटेल ने कहा कि वह सिर्फ एक कंडीशन पर भी गदर की अगली फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनेंगी। मैं कभी भी ऑनस्क्रीन सास नहीं बनूंगी, गदर जैसे ब्रांड के लिए भी नहीं, किसी हीरो-प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के लिए भी नहीं, कभी नहीं। बहुत से लोगों ने ये सवाल भी किया की गदर 2 की किसी स्टोरी पर एंडिंग नहीं हुई। आप जानते हैं, तारा और सकीना के बेटे को एक लड़की से प्यार हो गया था और वहां पर जिस तरह की परिस्थिति थी, उसे लड़की को इंडिया लाना पड़ता है।

काम से ब्रेक लेकर इटली पहुंची तृप्ति डिमरी

एनिमल में रणबीर कपूर के साथ रोमांटिक सीन देने वाली तृप्ति डिमरी अब काम से ब्रेक लेकर इटली घूम रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इस ट्रिप से कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका अंदाज अलग लग रहा है। तृप्ति ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी इटली ट्रिप की तस्वीरें और वीडियो शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस को एक वाइट एंड ब्लैक स्लीवलेस ड्रेस में पोज देते देखा जा सकता है। एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अपनी इटली ट्रिप के दौरान एक्ट्रेस स्कूटर पर सवारी करती देखी जा सकती हैं। इसे अलावा एक्ट्रेस ने सनसेट, समुंद्र, की कई तस्वीरें शेयर की हैं जो उनके फैंस को पसंद आ रही हैं। इस तस्वीर में एक्ट्रेस को सफ़ेद फूलों के साथ पोज़ देते देखा जा सकता है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर उनके फैंस कमेंट कर उन्हें खूबसूरत बता रहे हैं। तृप्ति काम से ब्रेक लेकर एन्जॉय कर रही हैं।

इमोशनल हुईं सारा अली खान

सुशांत सिंह राजपूत ने शुक्रवार को दिन भर चर्चा बटोरी। 14 जून को एक्टर की चौथी डेथ एनिवर्सरी थी। ऐसे में सुशांत सिंह राजपूत के चाहने वाले और फैंस ने उन्हें याद किया। अब एक्ट्रेस सारा अली खान ने एक्टर के लिए खूबसूरत पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की एक अनदेखी झलक भी दिखाई। सारा अली खान के लिए सुशांत सिंह राजपूत बेहद खास हैं। अभिनेत्री हर साल उनकी डेथ एनिवर्सरी पर पोस्ट शेयर करती हैं और एक्टर को याद करती हैं। सारा अली खान ने बॉलीवुड में फिल्म केदारनाथ से डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में सुशांत सिंह राजपूत थे। ऐसे में सुशांत सिंह राजपूत ने शूटिंग के दौरान की एक फोटो शेयर की। इसके साथ ही बिना कुछ बोले एक्टर की 10 मनपसंद चीजें भी बताई। सारा अली खान ने अपनी इंस्टा स्टोरी सुशांत सिंह राजपूत संग अपनी एक फोटो पोस्ट की है। तस्वीर में दोनों पहाड़ों के बीच बने एक मंदिर में बैठे हैं। कई सारी मूर्तियां लाइन से रखी हुई हैं। सुशांत सिंह राजपूत हाथ जोड़कर पूजा कर रहे हैं। वहीं, सारा अली खान मूर्तियों को एक टक निहार रही हैं। पोस्ट के साथ अभिनेत्री ने केदारनाथ फिल्म का गाना नमो नमो भी शेयर किया। सारा अली खान ने पोस्ट में 10 अलग- अलग इमोजी भी शेयर कीं। उन्होंने हाथ जोड़ने वाली इमोजी से लेकर जाप माला, शनि ग्रह, हस्मा हाथ, टेलीस्कोप, त्रिशूल, तितली, गैलेक्सी, सनराइज और वीडियो कैमरा की इमोजी लगाया है। ये वो सारी चीजें है, जिसके सुशांत सिंह राजपूत करीब थे और अपनी जिंदगी में शामिल किया था। सारा अली खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट की ओर नजर डाले, तो उनके खाते में अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनों है। इस फिल्म में सारा अली खान के साथ आदित्य रॉय कपूर लीड रोल में हैं। आखिरी बार एक्ट्रेस फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में नजर आई थीं।

21 जून को रिलीज़ होगी JNU

जब से सोशल मीडिया पर फिल्म जहाँगीर नेशनल यूनिवर्सिटी (JNU) का टीज़र रिलीज हुआ है इस पिक्चर को लेकर चर्चाएँ शुरू हो गई हैं। विवादित कथानक पर आधारित इस फिल्म के पिछले पोस्टर ने और भी ज्यादा बहस छेड़ दी है। पोस्टर में एक उठा हुआ हाथ दिखाया गया है जो आम लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष को दर्शाता है, लाल हाथों में जकड़ा हुआ हाथ समाजवादी दर्शन की जीत को दर्शाता है। इसके अलावा, बैकग्राउंड में जय श्री राम और लाल सलाम के नारे वाले बैनर लहरा रहे हैं, जो कैंपस में मार्क्सवादी विचारधारा के वर्चस्व को दिखाते हैं। नए पोस्टर से विवाद बढ़ने का इशारा मिलता है। पोस्टर में कुछ किताबें जलती हुई दिखाई दे रही हैं, और पंचलाइन है, "क्या एक यूनिवर्सिटी देश को हिला सकती है?" यह पहली बार नहीं है जब फिल्म जहाँगीर नेशनल यूनिवर्सिटी ने सबका ध्यान आकर्षित किया है; इसके पिछले दो पोस्टरों ने भी मीडिया में काफ़ी कवरेज बटोरी थी। प्रोड्यूसर प्रतिमा दत्ता कहती हैं, "हमारी फिल्म जहाँगीर नेशनल यूनिवर्सिटी रिलीज़ के लिए तैयार है। मेरी राय में फिल्म सबसे अच्छा माध्यम है और यह फिल्म हमारे समाज के एक महत्वपूर्ण हिस्से पर आधारित है जिसे लोगों के सामने लाने की जरूरत है। पिछली बार जब हमने इन कठिनाइयों का सामना किया था, तब से बहुत कुछ बदल गया है, इसलिए 21 जून को यह सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हम पूरी कास्ट, क्रू और इंडस्ट्री के कुछ लोगों से मिले सपोर्ट की वजह से ऐसा कर पाए।"

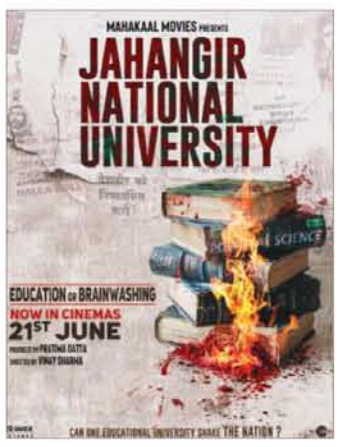

आईएनटी आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा 16 जून को शाम 7:00 बजे सेंट एंड्रयू ऑडिटोरियम, बांद्रा वेस्ट में क्लासिकल फ्यूजन कॉन्सर्ट रखा गया है। अंधेरी में उसी के रिहर्सल के लिए एक साथ कई कलाकार दिखाई दिए।

21 जून से सिल्वर स्क्रीन पर धमाल करेगी 'फेक बॉयफ्रेंड'

एक मनमोहक रोमांटिक कॉमेडी 'फेक बॉयफ्रेंड' जल्द ही सिल्वर स्क्रीन पर आने वाली है। यह फिल्म प्रोड्यूसर अंजू ढींगरा (फिल्म निर्माता) द्वारा A6 प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनने वाली दूसरी फिल्म है। इसके डायरेक्टर सैम डसूजा, जिन्हें सौरभ कौल के नाम से भी जाना जाता है, द्वारा बनाई गयी यह दर्शकों के लिए एक जादुई अनुभव का वादा करती है। फ़िल्म का ट्रेलर यूट्यूब पर दिखाया जा रहा है और लोगों को काफी पसंद आ रहा है। डायरेक्टर सैम डसूजा बताते हैं कि यह फिल्म क्यों देखनी चाहिए। 'फेक बॉयफ्रेंड' सिर्फ एक फिल्म नहीं है,यह पूरे परिवार के लिए एक फील-गुड अनुभव है। हंसी, प्यार और छुपे हुए संदेशों को अपने प्रियजनों के साथ बांटें। फिल्म को हाल ही में फिल्म डिवीजन से यू प्रमाणपत्र मिला है,जिससे यह सभी आयु वर्ग के लिए अनिवार्य रूप से उपयुक्त हो गई है। तैयार हो जाइए एक सिनेमाई यात्रा के लिए जो आपके चेहरे पर मुस्कान और दिल में गरमाहट छोड़ जाएगी। 'फेक बॉयफ्रेंड' जल्द ही आपके नजदीकी थिएटर में आ रही है। इस दिलकश रोमकॉम को मिस न करें जो आपके दिल को चुरा लेगी और अविस्मरणीय यादें छोड़ देगी।

हर प्रोजेक्ट के लिए तय हों नोडल अधिकारी : मुख्यमंत्री

विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में सीएम योगी ने दिए निर्देश

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर प्रोजेक्ट के लिए एक नोडल अधिकारी तय करते हुए उनसे साप्ताहिक प्रगति की रिपोर्ट ली जाए। हर प्रोजेक्ट की वरिष्ठ अधिकारी पंद्रह दिन पर समीक्षा करें, साथ ही परियोजनाओं की प्रगति को लेकर माह में एक बार जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाए। हर परियोजना की एक समय सीमा तय होती है। उसे उसी अवधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए।

सीएम योगी शनिवार दोपहर में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एनेक्सी भवन में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, नगर निगम, जल निगम, जीडीए, गीडा समेत विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन विकास परियोजनाओं के लिए जमीनों का अधिग्रहण किया गया है, वहां जमीन की रजिस्ट्री में तेजी लाई जाए और मुआवजा वितरण भी जल्द से जल्द किया जाए। इसमें किसी तरह की शिथिलता अक्षम्य होगी। मुख्यमंत्री ने कहा निर्माण कार्य को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए एक नोडल अधिकारी को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी जाए। नोडल अधिकारी हर सप्ताह की प्रगति की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की मॉनिटरिंग करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी होनी चाहिए। अधिकारी हर माह जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराएं, उनसे मिलने वाले सुझावों पर भी ध्यान दें।

सीएम योगी ने कहा कि बरसात का समय सन्निकट है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि बरसात होने पर कहीं भी जलभराव न होने पाए। जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में काफी अच्छा काम हुआ है, इसे लगातार उत्कृष्टता की ओर ले जाने की आवश्यकता है।

बाढ़ बचाव से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा बाढ़ बचाव के कार्यों में और तेजी लाई जाए। अधिकारी, जनप्रतिनिधियों को साथ ले जाकर बंधों की स्थिति का जायजा लें। बेहतर कार्य के लिए उनसे सुझाव लें।

सीएम ने कहा कि समन्वित प्रयासों से जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया है। तैयारी ऐसी बनी रहे कि आगामी मानसून सत्र में भी इस पर नकेल कसा रहे। मुख्यमंत्री ने एकला बांध प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की और यहां मियावाकी वन विकसित करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पेयजल, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें। शहरों और गांवों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। नागरिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारी जनता दर्शन में नियमित और संवेदनशील ढंग से सुनवाई करें। आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण करने के साथ शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यह चेतावनी भी दी कि नागरिक समस्याओं के निस्तारण में शिथिल अधिकारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत कुछ वर्षों से गोरखपुर उद्यमियों के लिए पसंदीदा स्थल बनकर उभरा है। अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करें।

माफिया के खिलाफ जारी रहे सख्त कार्रवाई

कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति बरकरार रहनी चाहिए। माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई का क्रम थमना नहीं चाहिए। उन्होंने पुलिस पैट्रोलिंग और फुट पैट्रोलिंग बढ़ाने और पीआरवी का रिस्पांस टाइम और उत्कृष्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने बकरीद पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने, सड़क पर नमाज न होने देने की हिदायत देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी की धार्मिक भावनाएं आहत न हों।

मुख्यमंत्री ने अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हर माह रोजगार मेले का आयोजन करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक राजेश त्रिपाठी, महेन्द्रपाल सिंह, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद समेत प्रशासन, पुलिस और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नोएडा में ईद-उल-अजहा पर रहेगा ट्रैफिक डॉयवर्जन, जारी की एडवाजरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में आगामी 17 जून को ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर ट्रैफिक्र डॉयवर्जन रहेगा। नोएडा की सबसे बड़ी मस्जिद जामा मस्जिद और सूरजपुर स्थित मस्जिद के आसपास पड़ने वाले मार्गों पर नमाज के वक्त यातायात प्रतिबंधित किया जाएगा।

नोएडा कमिश्नरेट यातायात पुलिस ने बकरीद पर नमाज के दौरान रूट डॉयवर्जन को लेकर एडवाइजरी जारी की है। यातायात पुलिस ने गोल चक्कर चौक संदीप पेपर मिल सेक्टर-6 चौकी, झुंडपुरा उद्योग मार्ग पर सेक्टर-6 चौकी से सेक्टर-8 तक यातायात का आवागमन प्रतिबंधित किया जाएगा। इसके अलावा हरौला चौक से स्वानी फर्नीचर चौक तक भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा सेक्टर-6 चौकी से बांस-बल्ली मार्किट तिराहे तक वाहनों का आवागमन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। एडवाजरी के मुताबिक जेपी कट से सेक्टर-8 तक यातायात नमाज के दौरान रोका जाएगा। वहीं सूरजपुर घंटा चौक से कस्बा सूरजपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर भी आवश्यकतानुसार यातायात प्रतिबंधित किया जाएगा। यातायात पुलिस ने निर्देशित किया है कि झुंडपुरा चौक से गोल चक्कर की ओर जाने वाले वाहन झुंडपुरा चौक से स्टेडियम चौराहे व रजनीगंधा चौराहे से जा सकते हैं। वहीं स्वानी फर्नीचर से नया बांस की ओर आने वाले वाहन भी नोएडा स्टेडियम और रजनीगंधा चौराहे से होकर गुजर सकते हैं।

सूरजपुर घंटाघर चौक से मोजरबियर गोल चक्कर से कस्बा चौकी होकर भी वाहन गुजर सकते हैं। यातायात पुलिस ने असुविधा से बचने के लिए हेल्पलाइन नंबर 9971009001 भी जारी किया है। जिस पर संपर्क कर असुविधा से बचा जा सकता है।

एनडीआरएफ गाजियाबाद में योग सप्ताह प्रारंम्भ

गाजियाबाद। दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जहां पूरी दुनिया में पूरे जोश व उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। गाजियाबाद के कमला नेहरु नगर स्थित आठवीं बटालियन एनडीआरएफ में दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर गाजियाबाद एनडीआरएफ बटालियन के कमाण्डेंट प्रवीण कुमार तिवारी की मौजूदगी में योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें एनडीआरएफ के अधिकारी रेस्क्यूर्स एंव उनके परिवारजनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

इस मौके पर कमाण्डेण्ट श्री तिवारी ने योग के महत्व के बारे में भी बताया कि योग वह औषधि है जिसके माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। शरीर स्वस्थ रहता है और रोगों की चपेट में आने बचा रहता है। इसके अलावा योग स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली को भी प्रोत्साहित करता है।

योगाचार्य यश पराशर एवं उनकी टीम के नेतृत्व में एनडीआरएफ के अधिकारियों ने योग किया। साथ ही उनकी टीम के योग खिलाड़ियों ने योग नृत्य की प्रस्तुति दी राष्ट्रीय खिलाड़ी यशस्वी चौधरी द्वारा दीप योग प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में जिला प्रशासन गाजियाबाद के मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, आयुष विभाग से क्षेत्रीय यूनानी अधिकारी अशोक राणा, कुलदीप, जिला समन्वयक रुचि त्यागी, जिला व्यायाम शिक्षक राजकुमार एवं विनीत त्यागी भी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी इंडस्ट्रीयल एरिया के सेक्टर ए-3 में स्थित सन्मति पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में लगी आग ने आसपास की 3 और कंपनियों को अपनी चपेट में लिया। आग लगने से कंपनी में रखा लाखों रूपये का माल जलकर खाक हो गया है।